पाप की क्रूरता, और उसके दंड का मूल्य कि हमारे जीवन पाप से मुक्त हो

धन्यवाद, भाई थोम। क्या आप वह छोटी चीज सारे संस्करण जो आपके पास है देंगे, यदि आप दे। मैं यहां आज रात्रि आते हुए पूरी से बाहर ही आ गया था। मुझे जुकाम हो गया। और मैंने यहां आने का वचन दिया था। और मैंने भाई नेविल से कहा था, कि भाई कोक्स को लेकर आए और उन्हें बता दे। मैंने कहा, "भाई नेविल को बता दो कि आगे जाकर सभा ले ले, क्योंकि मेरा गला बहुत खरखरा रहा है। मैं ची की आवाज भी नहीं निकाल सकता हू।"

2 और उन्होंने कहा, वापस आइए और कहा, "भाई बिल अच्छा हो कि आप आए। मैं विश्वास करता हूं कि यह अच्छी बात होगी।" इसलिए, मैं—मैं हमेशा किसी भी प्रकार की कोशिश करना चाहता हूं। यदि एक... मैं वास्तव में, गला बहुत खराब है कि आपको प्रचार करूँ, परंतु मैं आप लोगों से थोड़ी देर बात करूंगा, यहां इस छोटी सी जुगत को सहायता से। मैं...

3 हर बात जब मैं इन्डियाना में आता हूं, मेरे गला खराब हो जाता है। मैं नहीं जानता क्यों, परंतु हर बार होता है, मुझे—मुझे ठंड लग जाती है। यह, यहां इतना नीचा है। मैं यहां आ जाता और यह ऐसा लगता है कि मैं इससे अलग नही हो सकता। मैं प्रार्थना करता हूं, ऐसा लगता है यह कैसे भी आएगा। परंतु—परंतु मैं हमेशा अच्छा करना चाहता हूं अपने सारे यत्न से जो मुझे करना है। इसलिए इस प्रकार से मैंने सदा करने का प्रयत्न किया सबसे अच्छा जो हम कर सकते है। परमेश्वर उसी का आदर... आशा करता है, मुझे क्षमा करें; यही सब वह आशा करता है।

4 अब मैं आशा करता हूं कि—कि हमारा प्रभु आप सबको आशीष देगा और आपको इस सारी सभा से होते हुए महान आशीष देगा, इस शुक्रवार, शनिवार, रविवार। सभायें आज रात्रि, कल रात्रि चलेगी। क्या ऐसा ही है, भाई नेविल? [भाई नेविल, "हां।" कहते हैं।—सम्पा।] कल रात्रि तक जाएंगी।

5 मुझे यहां पर आना था, और तब यहां से छोड़ कर और जाना था और लूजविले में मिशनरियों के झुंड को संबोधित करना था। मैं सोचता हूं—मैं सोचता हूं या तो यह सत्रह या सत्ताइस राष्ट्र इस मिशनरी सभा में प्रतिनिधित्व कर रहे है। कल रात्रि वे वहां मुझे कुछ मिनटों के लिए चाहते थे। रवि... रविवार प्रातः को...

6 यह क्या है? [एक व्यक्ति कहता है, "क्या आप अभी इस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करेंगे? "—सम्पा।] भाई आप अपना हाथ उस पर रखें।

7 हमारे स्वर्गीय पिता, हम तेरे प्रिय पुत्र यीशु के नाम में इसी समय, प्रार्थना मांगते हैं कि आज रात तेरा अनुग्रह हम पर हो, हमारे भाई को चंगा करने से, वह व्यक्ति जो वहां बैठा है इस समय बहुत बीमार लगता है। आपने कहा, "अपने अपराधों को एक दूसरे के सामने मान लो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो ताकि तुम चंगे हो जाओ।" और आज रात्रि मैं इन लोगों के साथ प्रार्थना करता हूं, प्रभु यीशु के नाम में कि आप हमारे भाई को इस समय चंगा करेंगे। जैसे कि हमारा भाई अपने हाथों को उस पर रखे खड़ा है, वह हमारे प्रभु यीशु के हाथ को प्रतिनिधित्व कर रहा है, और हम मिल कर एक साथ प्रार्थना करते है, और मसीह के नाम में इन्हें तेरे पास भेजते हैं ताकि हमारा भाई इस बीमारी से जल्द अच्छा हो जाए, जो उसे है। आमीन।

8 भाई, प्रभु आपको आशीष दे। आप सब उसे थोड़ी हवा करें। वह एक प्रकार से वहां पर दब सा गया, क्यों। उसे थोड़ा बाहर जाने दे। यदि आप बाहर जाना चाहते हैं, श्रीमान, क्यों, थोड़ा सा आगे जाए और भवन के पीछे की ओर वहां कुर्सी पर बैठ जाए, जहां थोड़ी सी हवा मिले।

9 अब, प्रभु यीशु हमारी सारी परेशानियां जानता है। वह हमारा बोझ उठाने वाला है।

10 और अब रविवार प्रातः जल्द ही छ: बजे सूर्य उदय की सभा होगी। कितने ईस्टर पर प्रभात वाली सभा चाहते है? हम एक महान आशीष की आशा कर रहे है। इसलिए तब, यदि प्रभु ने चाहा मैं प्रभात की सभाए लूंगा; यह छह से सात बजे तक। तब नाश्ते के लिए अपने घर वापस जाए, कि लौटे। और 9:30 बजे पर नियमित संडे स्कूल सभा, भाई नेविल यहां पर होंगे। और संडे स्कूल की सभा के तुरंत बाद, मुझे बपतिस्मे की सभाए लेनी है, वे जिनका बपतिस्मा होना है, ईस्टर रविवार प्रातः।

11 यदि आपका डूब का बपतिस्मा नहीं हुआ है और ऐसी इच्छा है; और आप मसीही है और यीशु मसीह के परमेश्वरत्व पर कि वह परमेश्वर का पुत्र है विश्वास करते हैं; और अपना लेना चाहते है, अपना—अपना स्थान हमारी संगति में लेना चाहते हैं, बपतिस्मा लेकर तो हम यहाँ ईस्टर की प्रात: आपके साथ आनंदित होगे लगभग दस तीस जल में डूबने के लिए। अपने कपड़े ले आए। यदि आपके पास नहीं है, सही में, क्यों, विशेषकर महिलाएं, यहां उनके पास कपड़े हैं, महिलाओं के लिए विभिन्न मापो में। मैं नहीं सोचता कि उनके पास अभी सारे पुरुषों के लिए है। परंतु हम... हम आपको ईस्टर प्रात: में मैं अपने साथ पाकर आनंदित होंगे।

12 तब रविवार दोपहर बाद एक दफन करने की सभा है, कोई जो यहां गांव में रहता था, बाहर की ओर, या यहीं कहीं से जो... मैं विश्वास करता हूं उसका यहां कुछ समय पहले भाई नेविल के प्रचार के द्वारा मत परिवर्तन हुआ। मैं विश्वास करता हूं कि उसका नाम ईस्ट, या कुछ और था। उन्होंने मुझे अन्तेष्टी ग्रह से फोन किया, कहा यदि मैं और भाई नेविल और हमारा एक झुंड वहां आकर और गाये और रविवार की दोपहर दो बजे सभा ले, वहां मोटाज अन्तेष्टी ग्रह।

13 मुझे महिला ईस्ट का कोई स्मरण नहीं है, यास्ट या ईस्ट मैं समझता हूं कि आज रात्रि आप में से बहुतों ने अखबार में देखा है। और... [एक बहन कहती है "भाई बिल? "—सम्पा।] हां। ["वह एडना जस्टिस हुआ करती थी; अक्सर यहां आया करती थी।"] इडना जस्टिस, आप उन्हें जानते होंगे संभवत:। वह युवा महिला थी। क्या थी? क्या यह ठीक बात है बहन? ["उनतीस। ओह।"] एक युवा महिला। मैं विश्वास करता हूं वे... उसकी मां ने मुझे बुलाया रही थी और बताया कि उसने दो या तीन छोटे बालक पीछे छोड़े है। वास्तव में यह बहुत ही बुरा है।

14 मरणहार जीवन इस की—की यह बुराई दिखाई पड़ती है, क्या नहीं? परंतु उसमें... यदि वह मसीह यीशु में थी, जो आज रात्रि यह बहुत ही अच्छा है किसी भी व्यक्ति से जो इस भवन में बैठा है। वह केवल मृत्यू की छाया की घाटी में से होकर निकल गयी सारे मरणहारो को जाना है। और एक दिन आपको और मुझको भी वहां से यात्रा करनी है, परंतु हमें अकेले में यर्दन पार नही करनी, क्योंकि वह हमारा बचाने वाला है। इसलिए हम—हम...

15 यदि आप मोटज अन्तेष्टी ग्रह पर आना चाहते हैं, जो कि मेपट स्ट्रीट और वालनट के बीच स्थित है और... नहीं, मैं विश्वास करता हूं यह लोकस्ट और वाल स्ट्रीट के बीच है, जब आप दक्षिण को जाते हैं तो सीधे हाथ की ओर है। वो... मैं नहीं जानता कि उनका कहां... उसका नंबर क्या है? [कोई कहता है, "221।"—सम्पा।] 221। यहां यह ओल्ड स्कोट और कोम्बस अन्तेष्टी ग्रह हुआ करता था, जब मैं युवा था। और यह रविवार दोपहर बाद और दो बजे।

16 और तब रविवार सांझ को नियमित ईस्टर सभा यहां फिर होगी सम्भवत: है। हम वो—वो मृत्यु, गाड़ा जाना और पुनुरुत्थान प्रचारेगे, रविवार रात्रि सभा। और हम नहीं जानते कि आने वाले सप्ताह में प्रभु हमारे लिए क्या करने जा रहा है, या तो सभाएं निरंतर रहेगी, या आने वाले सप्ताह के लिए क्या होता है। हम विश्वास करते है कि आप सब यहां रविवार को होंगे—होंगे, जो हो सकता है।

17 मैं यहां आस-पास बहुत से प्रचारकों को पहचान रहा हूँ। किसी ने मुझे बताया कि भाई फुलर यहां पर थे, यह हुआ करता था... याने हमारी सभाओं में आते है। क्या वह व्यक्ति यहां है? भाई फुलर, क्या आप ही वह व्यक्ति है, जो मुझे न्यूयार्क ले जाया करते थे, जगह-जगह सभा में जाया करते थे? भाई फुलर आपको देखकर प्रसन्नता हुई। प्रभु आपको आशीष दे।

18 एक और सेवक को मैं यहां देखता हूं वह—वह भाई थोम नहीं जानते। मैं उस लड़के का अंतिम नाम नहीं जानता, परंतु मैं जानता हूं कि वे उसे पहले वहां जूनियर पुकारते थे। जैक्सन, भाई जैक्सन, जूनियर जैक्सन, आखिर में, अपना हाथ उठाये, भाई जैक्सन। अपने साथ आपको पाकर हम प्रसन्न है। यह वहां नीचे एलिजाबेथ, मैथोडिस्ट चर्च से हैं, वह कलीसिया वहां पर, जहां मुझे जल्द ही वहां सेवा करनी है, प्रभु ने चाहा, इससे पहले की हम बाहर वापस जाए।

19 अब भारत में महान बुलाहट है। और हर चीज हर दिन गहराती जा रही है, मेरे लिए प्रार्थना करें।

20 अब, आज रात्रि, यह गुड फ्राइडे है। यह वह रात्रि है जब हम... ओह, मैं समझता हूं कि यरूशलेम में इस समय, ... सूर्य ऊपर चमक रहा है, शनिवार प्रातः। परंतु सारे दिन, लोग उस पुराने मार्ग पर चलते है जहां क्रूस

उस उठाने वाले के लहू के पद चिन्हों पर घसीटी गई थी; आंसू, अपने को प्राणों में पीड़ित करते, और रोते है। बहुत से बड़े–बड़े आराधनालय और आदि, आज, उस महान समय को मानते है। यदि संसार को कभी कोई समय मनाना चाहिए, तो वह अब है, इस संकट की घड़ी में।

21 और मुझे अचरस है यदि हमारी बहन इस छोटे पुराने ऑर्गन को देख रही है... मुझे—मुझे ऑर्गन अच्छा लगता है। मैं कुछ पुराने चलन का हूं। और मैं—मैं सोचता हूँ यदि हम उस पर स्वर ले सके:

यीशु, बस मुझे क्रूस के पास।

22 बस उनमें से वह अच्छा, पुराने, ह्रदय वाले गीत, हम इन्हें बहुत पहले गाया करते थे। और यदि हम सब इसे मिल कर गाए। मैं यह पसंद करता हूं।

वहां एक बहुमूल्य सोता है,
सबके लिए मुफ्त, चंगाई की धारा,
जो कलवरी के पहाड़ से बहता है।

23 कितने इसके पद को जानते हैं, जो भी हो? ठीक है, आप सब अब आज मेरे साथ मिले। और अब हम अपने चारों और पर्दा डाल ले, और इस दोपहर बाद अपने विचारों को उन्नीस सौ वर्ष पहले ले जाए। क्या ही बलिदान है! संसार ने इसे कभी इस प्रकार से नहीं जाना। समस्त संसार को हिला दिया! और अब क्या आप उस स्थान के पास नहीं रहना चाहते, जहां कि आप उसके साथ संगति और आशीषो में है?

24 अब हम सब गाये, उसी पुराने तरीके से... अब—अब जिस प्रकार से आप इसे गायेगे यदि आप अपने ही तरीके से गाये। ठीक है। भाई थोम, आप इसकी अगुवाई के लिए मेरी सहायता करें, क्या आप करेंगे? मेरे पास अब इतनी अधिक आवाज नहीं है। और तब, ठीक है। ठीक है। [भाई रॉबर्ट थोम फॉर्म गाने में सहायता करते हैं *क्रूस के पास*—सम्पा।]

यीशु, मुझे अपने क्रूस के पास रख,
वहां एक बहुमूल्य झरना है,
सबके लिए मुफ्त, एक चंगाई की धारा,
जो कलवरी के पहाड़ से बहती है।

उस क्रूस में, उस क्रूस में,
मेरी महिमा हमेशा हो;
जब तक मेरा रेपचर हुआ प्राण ना पा ले
नदी के उस ओर विश्राम को।

25 जबकि आप अपने सिरों को झुकाए हुए हैं, यदि आप चाहे अब हम इसे धीरे–धीरे गुनगुनाये। [भाई ब्रंहम और सभा के लोग गुनगनाते है *क्रूस के पास*—सम्पा]

क्रूस के पास मैं देखुंगा...
आशा करते, विश्वास करते, हमेशा,
जब तक मैं न पहुंचू उस सुनहरे तट पर,
बस नदी के उस ओर।

26 [भाई थोम निरंतर धीमे–धीमे गीत के पद को फिर से गाते है, *क्रूस के पास*—सम्पा।]

27 मुझे आश्चर्य है यदि आप अब चाहेगे... आप के लिए किसी ने ना किया। मुझे अचरज है यदि आप नही चाहेगे... अपने जीवन को मसीह के पवित्र नही करना चाहेगे, और, "प्रभु, मुझे स्मरण रखें। मैं आपकी सराहना करता हूं... थकान, और वह पीड़ा, लहू बहता हुआ, मेरे लिए मर रहा था। मैं अयोग्य, परंतु अब मैं अपना हाथ उठाने जा रहा हूं, प्रभु, और आप मुझे देखेंगे। मैं चाहता हूं कि मेरा जीवन फिर से समर्पित हो।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। ठीक है। "प्रभु, मैं इसी समय अपने आप को इस गुड फ्राइडे की रात्रि में फिर से समर्पित करना चाहता हूं।" परमेश्वर आपको आशीष दे।

28 पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इनको जिन्होंने अपने हाथ उठा रखे थे आशीष देंगे, और वे जिनके पास साहस नहीं है कि यह करें। हम प्रार्थना करते हैं, वह सर्व–परिपूर्ण, आज रात्रि, प्रत्येक को आशीषित करेगा।

29 हम कलवरी के लिए सोच रहे हैं, परमेश्वर, हमारा बचाने वाला, लज्जित किया गया; नीचे गिराया गया, धनी मनुष्य के हाथ में सौंपा गया, जिसने पिलातुस से उसकी देह मांगी उसे लेकर; और उस स्वच्छ कपड़े में लपेटा और उसे कब्र में रखा। ओह परमेश्वर, उन बेचारे चेलों की क्या ही भावनाये रही होगी ऐसा प्रतीत हुआ; कि जैसे वे उस समय हार गए थे। जिस पर उन्होंने बहुत ही विश्वास किया था, अब जा चुका था, परंतु अधिक समय

के लिए नहीं। बस एक लहू बहता हुआ बलिदान बस यही था। किसी दिन, कुछ घंटों के पश्चात, वह जी उठा और तब आनंद आ गया।

30 प्रभु, आन रात्रि, हमारी सहायता कर, जैसे कि अब हम इस समय में है, होने पाए कि यह हम पर हो ताकि हम वह दु:ख देखेंगे, जो कि हमारे छुटकारे का दाम है, हमारी प्रसन्नता के लिए जो दु:ख भोगा गया। होने पाए कि हमारे प्राण... आज रात्रि, प्रभु, हम अपने को तेरे लिए पवित्र करें, और हमारे प्राण सामने देख कर दुखित हो, और देखें कि क्या, ओह परमेश्वर, क्या ही भयानक मृत्यु। पाप कितना क्रूर! और मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि आप अब हमे एक साथ आशीषित करेंगे।

31 ओह परमेश्वर, तू मेरी सहायता कर, जैसे कि तेरा दास बैठे हुए गले के साथ यहां खड़ा है, और तेरे बालक तेरे वचन में से सुनने के लिए प्रतीक्षा कर रहे है। प्रभु, मेरी सहायता कर, और जीवन के वचन को प्रत्येक के लिए तोड़, जैसा कि हम अपने जीवनो को फिर से समर्पित करते है और अपने ह्रदयो को। हमारे ह्रदय के आसू हमारे सीने की गहराई में चली जाए, जब हम बलिदान के विषय में सोचे। अब हमारी सहायता कर, क्योंकि हम यह मसीह के नाम में मांगते है। आमीन।

32 तो मैं थोड़ी देर के लिए कुछ पढ़ना चाहता हूं यदि आप मेरी ओर अपना पूरा ध्यान दें और मेरे लिए प्रार्थना करें। यशायाह में, 53 वां अध्याय।

33 आज सम्भवत: हमने रेडियो प्रसारण सुना है, और आदि–आदि।

34 आज मैंने मसीह के विषय में सोचा। आज मैं कहीं बाहर नहीं जा सका और केवल घुटनों पर रहा। और मुझे बस रोना पड़ा जब मैंने यह सोचा... जब मेरे विचार पीछे गए कि कलवरी पर क्या घटित हुआ देखे।

35 मैंने रेडियो का कोई कार्यक्रम नही सुना, परंतु सम्भवत: उन्होंने सुसमाचार से बाहर प्रचार किया। और हो सकता है आने वाले रात्रि में हम इसे उसी विषय से लेंगे।

36 परंतु, आज रात्रि हम पीछे पुराने नियम में चलेंगे। मैं: *पाप की क्रूरता और उसके दंड का मूल्य, की हमारे जीवन पाप से मुक्त हो* इस पर बात करना चाहता हूं। यशायाह 53 में, भविष्यवक्ता, अभिषिक्त किया हुआ, प्रभु के आगमन के 712 वर्ष पहले, उसने यह वचन कहे।

जो समाचार हमें दिया गया उसका किसने विश्वास किया? ...
और यहोवा का भुजबल किस पर प्रगट हुआ?

क्योंकि वह उसके सामने अंकुर की नाई और... ऐसी जड़ के समान उगा... जो निर्जल भूमी में फूट निकले: उसकी ना तो कोई सुंदरता थी; कि हम उसको देखते और ना उसका रूप ही, हमें ऐसा दिखाई पड़ा कि हम उसको चाहते।

वह तुच्छ जाना जाता और मनुष्यो का त्यागा हुआ था; वह दु:खी,... पुरुष था रोग से उसकी जान पहचान थी: और लोग उससे मुंह फेर लेते थे; वह तुच्छ जाना गया और हमने उसका मूल्य ना जाना।

निश्चय उस ने हमारे रोगो को सह लिया,... और हमारे ही दु:खो को उठा लिया, तौभी हमने उसे परमेश्वर का मारा–कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा।

परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया वह हमारे अधर्म के कामो हेतु कुचला गया: हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी; कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाए।

हम तो सब के सब भेड़ की नाई भटक गए थे; हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया; और यहोवा ने... हम सभो के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।

वह सताया गया, तौभी... वह सहता रहा और... अपना मुंह ना खोला: उसे—उसे लाया गया था जिस प्रकार भेड़ बध होने के समय लाया जाता है वा भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप शान्त रहती है, वैसे ही उसने भी अपना मुंह ना खोला।

अत्याचार करके और दोष लगाकर वे उसे ले गए:... उस समय के लोगों में से किस ने इस पर ध्यान दिया? कि वह जीवतो के बीच में से उठा लिया गया? मेरे ही लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी।

... और उसकी... कब्र भी दृष्टो के संग ठहराई गई, और मृत्यु के समय वह धनवान का संगी हुआ; यदपि उसने किसी प्रकार का उपद्रव ना किया था और उसके मुंह से कभी छल की बात ना निकली थी।

तौभी यहोवा को यही भाया कि उसे कुचले उसी ने उसको रोगी कर दिया: जब तू उसका प्राण दोषबली करें,... तब वह अपना वंश देखने पाएगा, वह बहुत दिन जीवित रहेगा, उसके हाथ से यहोवा की इच्छा पूरी हो जाएगी।

37 यदि आज रात्रि मैं वचन का मूल पाठ लू तो, मैं 6 वां पद लूंगा।

हम तो सब के सब भेड़ों की नाई भटक गए थे;... और प्रभु... हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया; और यहोवा ने... हम सभो के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।

38 मैं कुछ क्षणों के लिए बात करना चाहता हूं। हम सदा प्रसन्न होते हैं जब प्रभु का आनंद हमारे मध्य में होता है; और मैं कैसे आपके साथ अधिकाई से आनन्दीत होता हूं। परंतु क्या कभी आपने रुक कर यह सोचा, कि इसे पाने का क्या मूल्य चुकाया गया? क्या आपने कभी अनुभव किया वह दाम जो इसके पीछे है; क्या न्याय था और पाप का दंड क्या था? पाप को कितना क्रूर होना चाहिए, जब इसके कारण परमेश्वर का पुत्र कलवरी पर गया, और परमेश्वर ने उसे मारा, और उस से अपना मुख फेर लिया और उसे मारा, और—और वह पीड़ित किया गया। देखिए वह कौन था।

39 अब मैं बात करते हुए, एक छोटा सा चित्र खीचना चाहता हूं। आइए, आज रात्रि, एक छोटी सी यात्रा करें एक छोटी नाव पर और... एक छोटा अंतरिक्ष यान, या हवाई जहाज। आईये इससे पहले कि संसार था एक करोड़ वर्ष पीछे चले, इस पहले कि एक सितारा भी होता, या कोई भी चीज, और आप वहां अंतरिक्ष को छोड़ और कुछ नहीं देख सकते। और वह सारा अंतरिक्ष परमेश्वर था। आदि में परमेश्वर था।

40 और अब हम देखेंगे कि एक सफेद छोटी ज्योति अस्तित्व में आ रही है। हम इसे प्रभा मण्डल के समान कहेंगे। और वह परमेश्वर का पुत्र था, वह शब्द जो परमेश्वर में से, आरंभ में निकला।

41 और तब, कैसे वह, वह वहां पर खड़ा था; और उसने अपने विचार में, उसने सोचना आरंभ किया कि संसार क्या होगा, और यह सारा चित्र उसने अपने विचार में खीचा। और उसने कहा, "उजियाला हो जा।"

42 और एक परमाणु टूटा और आगे टूटना आरंभ हुआ, और वह पहला परमाणु हो गया, पहला परमाणु धमाका। और तब वे परमाणु जमा होना आरंभ हो गए जब तक कि वे राख में ना बदल गये, नमी के समान, जो

कभी यह था, टूटना आरंभ हो गया, और परमाणु टूटे। और कुछ समय के पश्चात, एक सितारा आया या टुकड़े... एक क्षेपणीय जो उड़ी और हवा में निकलती चली गई। उसने देखा यह कुछ लाखो वर्ष के लिए है और तब उसे रोक दिया, उसे कोई जल्दी नहीं थी। उसके पास सदा से, बहुत समय था। वह आरंभ से ही अंत में है। उसके साथ कोई समय नहीं था। और तब दूसरी उड़ने वाली उड़ी, और उसने *इसे* इस मार्ग पर रोक दिया।

43 वह क्या कर रहा है? वह अपनी पहली बाईबल लिख रहा है। पहली बाईबल जो कभी लिखी गई, वह आकाश में राशि चक्र में लिखी गई। यह कन्या से आरंभ होती है, इसी प्रकार से वह पहली बार आया। और यह सिंह, सिंह राशी, दुसरे आगमन से समाप्त होती है। और वह अपनी पहली बाईबल लिख रहा है।

44 दूसरी बाईबल जब लिखी गयी, तो वह हनोक के द्वारा लिखी गयी, और पिरामिड में लिखी।

45 तीसरी बाईबल लिखी गयी थी, और अंतिम वाली, *यह* वाली। [भाई ब्रन्हम बाईबल की और संकेत करते है—]

46 परमेश्वर सदा चीजो को तीन में करता है। परमेश्वर तीन में सिद्ध है। वह सिद्ध है। [भाई ब्रन्हम गला साफ करते है—सम्पा।] मुझे क्षमा करे। वह पिता, पुत्र, पवित्र में सिद्ध है। वह न्यायोचितता, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में सिद्ध है। वह अपने तीन में सिद्ध हुआ।

47 हम उसकी बनावट में है इसलिए हम तीन में सिद्ध हुए; प्राण, शरीर, और आत्मा। और हमारा शरीर, तंत्रिकाओं, लहू और कोशिकाओं (देह); तीन से—से नियंत्रित है। सब तीन में सिद्ध हुए।

48 तब उसने कहा, जब उसने सब कुछ बना लिया, इसके पहले कि उसने कुछ भी किया...

49 मैं देख सकता हूं कि यह प्रभा मंडल—मंडरा रहा है, इस संसार के ऊपर जो केवल एक मात्र राख जमी हुई, एक बड़े हिम शिलाखंड के समान लटकी हुई थी। और उसने इसे सूर्य के समीप किया। और उसने इसे *इस* प्रकार से सूर्य के चारों और घुमाना। आरंभ किया, यह पिघलने लगी, और वह बड़ा हिम खंड टूट कर ढीला हो गया। टैक्सास बन गया, और वहां के मैदान; जैसा कि हमें सिखाया गया है कि किस प्रकार से हिमखंड वहां से होते हुए नीचे आए, अच्छे कालक्रम वैज्ञानिक स्पष्ट कर सकते है। और

तब समस्त संसार जब यह मैक्सिको की खाड़ी में बदल गया, और आदि– आदि, पानी से भरना आरंभ हो गया। "और संसार निराकार और सुनसान था," अब हम उत्पत्ति 1 में है, देखा। अब, तब परमेश्वर ने आकाश को जल से अलग किया। और उसने उजियाला बनाया।

50 और तब उसने अपनी सारी सृष्टि की सृष्टि की। तब, उसके बनाने के बाद, सारे पेड़ उगे और पौधे, और आदि– आदि। और उसके पास क्या ही सुंदर ढांचा था। उसने इसे पसंद किया। यह सुंदर था। और उसने सोचा बहुत ही अच्छा है।

51 इसलिए वह इसे उस स्थिति में नहीं छोड़ सकता था; उसे उसके साथ किसी को छोड़ना था। इसलिए उसने कहा, "आओ हम" (बहुवचन) "मनुष्य बनाए," बहुवचन, "अपनी ही समानता में।" "आओ हम मनुष्य को अपनी समानता में बनाएं।" इसलिए तब जब परमेश्वर ने पहला मनुष्य बनाया, वह आत्मिक मनुष्य था। वह कुछ परमेश्वर के समान था, या परमेश्वर का पुत्र, शब्द। वह पहला मनुष्य था। तब उसने उस पर मनुष्य को अधिकार... कि पशु जीवन की अगुवाई करें, जैसे पवित्र आत्मा आज विश्वासी का मार्गदर्शन करता है "यहां जा*ओ, यह करो।*"

52 अब, यदि हम पवित्र आत्मा के पूर्ण समर्पण में होते तो पवित्र आत्मा के द्वारा, परमेश्वर हमारा मार्गदर्शन करता, जैसे आदम ने पशुओं का उस दिन मार्गदर्शन किया था।

53 इसलिए उसने—उसने उन्हें बनाया। और तब, जब उसने किया, वह विचार में—में चलने लगा बजाएं उसके वह मनुष्य जो—जो उसने भूमि की मिट्टी से बनाया। वहां भूमि जोतने के लिए कोई मनुष्य नहीं था, कोई भी शारीरिक जीव, कोई काम करने के लिए नहीं था। इसलिए उसने मनुष्य को भूमि की मिट्टी से बनाया।

54 अब यहां जहां कि मैं सोचता हूं कि एक—एक वनस्पति शास्त्री, या— या विज्ञान और मसीहत, एक दूसरे से नहीं टकराते। क्योंकि, विज्ञान कहता है, मनुष्य भिन्न प्रकार के जीवन से आया है; और हम कहते है, जब आप यहां मनुष्य को देखते हैं, वह परमेश्वर की समानता में है। यह है, कि आरंभ से वह परमेश्वर की समानता में ना था। यह तो पशु के जीवन की समानता में है। और वह... और विकासवादी तर्क करते हैं है कि हम... जिस प्रकार से विकास के क्रम में वे विश्वास करते हैं मैं नहीं करता, सब एक कोशिका से

आए है। परंतु हम विश्वास करते है, निश्चय ही, हमारा विकास हुआ है एक मनुष्य का दूसरे मनुष्य से। परंतु तब जब परमेश्वर ने वह सब जो बनाया, और लिया... मनुष्य को उसमें डाला...

55 उसे भूमि की मिट्टी से रचा, अब, अपनी समानता में नहीं। वह मनुष्य को पहले ही बना चुका है। तब उसने उसमें जीवन का श्वास फूंका, और वह एक जीवित प्राणी हो गया। इसलिए, मनुष्य का प्राण आत्मा का स्वभाव है।

56 अब, जब आप फिर से जन्म लेते है, आप नई आत्मा नहीं पाते। आप उस आत्मा का नया स्वभाव पाते है। यह वही आत्मा है, परंतु उसका नया स्वभाव। आप दो मनुष्य ले, उन्हें साथ–साथ खड़ा कर दें, दोनों एक से दिखते हैं; और उनमें से एक पापी, और दूसरा मसीही है। एक मनुष्य कहता है, "मेरे पास वैसी ही आत्मा है जैसी आपके पास," देखा। परंतु उनमें से एक भिन्न है, उसका प्राण। उसका स्वभाव भिन्न है। वह बदल गया है।

57 इस प्रकार तब उसने इस मनुष्य में श्वास फूंका। अब, मैं नहीं जानता, कि उसने उसे कैसे बनाया। उसने—उसमें पांच चेतनाये रखी ताकी वह अपने सांसारिक घर से संबंध रख सके, और देख, चख, अनुभव, सुघ, और सुन सके। और उसने उसे इसी प्रकार बनाया। यह, इंद्रियां परमेश्वर से संबंध बनाने के लिए नहीं है।

58 उसकी इंद्री परमेश्वर से संबंध बनाने वाली उसकी आत्मा है, उसके प्राण को–... "जो प्राण पाप करें, वह प्राण मरेगा।"

59 अब, मैं अधिक लंबे मार्ग पर जा रहा हूं, कि कुछ लू, मैं आशा करता हूं कि आप हर विषय को समझ रहे हैं इसलिए आप हर सही–सही देख सकते हैं कि परमेश्वर को कलवरी पर क्या करना था।

60 और जब यह मनुष्य, तब जब उसने इसे उसकी, पांच इंद्रियों के अंदर डाला। और तब, वह मनुष्य, अकेला था, इसलिए उसने उसके लिए एक पत्नी, एक सहायक बनायी, उसकी बाजू की पसली से लिया और एक स्त्री को बनाया।

61 एक सुंदर प्रतीक है, सब प्रतीक है परमेश्वर का, मसीह की पसली से दुल्हन। समझे? परमेश्वर ने आदम की पसली खोली, एक पसली निकाली; जो पुरुष की एक पसली स्त्री से कम है उस—उस शारीरिक रचना में। और अब परमेश्वर ने मसीह की पसली खोली, उस कलवरी पर... और दुल्हन को निकाला। कलीसिया मसीह के लहू के द्वारा, मसीह की देह में आती है।

62 ऐसे ही—ऐसे ही हम आते है, और किसी दूसरे मार्ग से नहीं। कोई मतलब नहीं आप कैसी कलीसिया से संबंधित है, आप कितने अच्छे व्यक्ति हैं, और आप कितनी अच्छी महिला है; आपको परमेश्वर के सर्व–संपूर्ण बलिदान को स्वीकार करना है, उसका दिया गया मार्ग, या फिर आप नष्ट है। यह ठीक बात है। केवल यही एक मार्ग है जिसके द्वारा आप अंदर आ सकते है। अब, केवल एक ही मार्ग है, और वही द्वार है।

63 यीशु ने और प्रसिद्ध दृष्टान्त सिखाया, जब वह इस पृथ्वी पर था। उसने कहा विवाह का भोज किया गया और—और हर मनुष्य को एक—एक वस्त्र दिया गया, और वहां एक मनुष्य को बिना उस पोशाक के पाया गया। उसने कहा, "मित्र, तू कौन है... बिना पोशाक पाए तू यहां कैसे—कैसे आया? "

64 अब, पुरानी रीति यह थी जब दूल्हा हर व्यक्ति को निमंत्रण देता था, वह... उसने निमंत्रण दिया। यदि उसने 50 लोगों को निमंत्रण दिया है, तो उसके पास 50 पोशाके होती थी। और वह कहीं द्वार पर खड़ा हुआ, और हर बार एक व्यक्ति अंदर आता, निर्धन या धनवान, वह उसको पोशाक पहनाता। तब, कोई नहीं जानता कि वह निर्धन या धनी है। वे, सब, उस वस्त्र में एक से दिखाई पड़ते।

65 और आज इसी प्रकार से परमेश्वर करता है। वह पवित्र आत्मा देता है; जो कि एक प्रतीक है। हर व्यक्ति जिसे वह निमंत्रण देता है, हम सब एक से है। ना कि *यह* वाला उससे थोड़ा अच्छा है, और *वह* उससे थोड़ा ऊंचा है। हम सब परमेश्वर की दृष्टि में एक समान है, हर कोई जो विवाह के भोज में आमंत्रित है।

66 तब जब वह आया उसने एक मनुष्य को पाया अब... अब, वहां भीतर आने के लिए केवल एक ही द्वार है, क्योंकि वहीं पर पोशाके दी गई थी। और उसने भोज की मेज पर एक मनुष्य को देखा, जो बिना पोशाक के था। उसने कहा, "मित्र, तू यहां क्या कर रहा है? तू ने क्यों नहीं वस्त्र पहना? " और वह मनुष्य कुछ नहीं बोला। वह खिड़की से आया किसी और मार्ग से। वह द्वार से नहीं आया।

67 हर वो व्यक्ति जो मसीह के द्वारा मसीह की देह में आता है, पवित्र आत्मा प्राप्त करता है, वह पोशाक। वह ठीक, वहां पर खड़ा है कि आपको

पहनाये, जैसे ही आप भीतर आते हैं, देखिए। उसने यही प्रतिज्ञा की है और वह यही करता है।

68 अब, वहां पीछे आरंभ में—में, अदन वाटिका में, तब उसने उसके लिए पत्नी बनाई, या एक सहायक।

69 अब आप कभी–कभी पत्रिकाओं में कुछ चित्रकारों के चित्रों को देखते है। अब, यह बहुत ही बेकार प्रेरणा है। यदि आपने हवा को *इस* प्रकार चिपके बालो के साथ देखा होगा, ओह, कितनी भयानक दिखने वाली चीज, और कहते है, कि "वह हमारी मां थी," क्यों, संसार में उसकी प्रशंसा कोई नहीं कर सकता था। मैं विश्वास करता हूं कि हवा इस पृथ्वी पर की सुंदरतम महिला थी। यह ठीक बात है। जब आदम ने उसे देखा, वह—वह... बस, क्यों, यह दर्शाता है कि यह धब्बा आज मनुष्य जाति के द्वारा आया है। यदि नहीं था, तो यह उल्टा होता।

70 इस प्रकार आदम ने उसे अपनी पत्नी करके लिया। और जब आप अंदर आया... और मेरा अपना विचार है कि वह क्या था। मैं उसे कलीसिया में प्रगट नहीं करता,' जब तक कि यह किसी प्रकार की शिक्षा का स्थान ना हो, कि आप आरंभ में क्या था। परंतु, यह जो भी है, जब यह किया गया, तो इसने उन्हें परमेश्वर की संगति से अलग कर दिया।

71 अब यहां वह चित्र है जो मैं लेना चाहता हूं। अब जब परमेश्वर ने अनुभव किया, या किसी स्वर्गदूत या किसी जीवन ने जो आया और परमेश्वर को बताया, कि, "तेरा पुत्र नष्ट हो गया। उसने, पाप किया। वह गिर गया।"

72 अब मनुष्य के दाग को देखें, पहली चीज कि अपने धर्म को स्वयं बनाता है। एक मनुष्य, उसके पास एक प्रकार का धर्म होता है।

73 उस दिन मैं नगर में एक प्रसिद्ध व्यक्ति से बातें कर रहा था। कहा, "भाई ब्रन्हम आप मेरा धर्म जानते हैं, सुनहरे आज्ञा का पालन करना।" यह अच्छा है।

74 परंतु, भाई, जब तक मनुष्य फिर से जन्म ना ले, वह नष्ट हो जाएगा। हां। उसे लेना ही है, उसे नया जन्म लेना ही है । अब, सुनहरी आज्ञा अच्छी है; वह एक समय मनुष्य कर सकता है। परंतु इसे तो अलौकिक व्यवस्था में होना है। और आप देखेंगे परमेश्वर को उस व्यवस्था के अन्तर्गत क्या करना था कि हम अलौकिकता में जन्म ले सके।

75 अब जब उन्होंने पाप किया, उसने—उसने स्वयं एक धर्म–*धर्म*... शब्द का अर्थ है "कोट।" यह कुछ जिससे ढंके। यह कोट मेरे लिए एक नैतिक आड़ है, क्योंकि यह मुझे ढांके है। और आपके कपड़े भी उसी प्रकार है। और यह एक... यह एक—एक आड़ है।

76 अब ध्यान दें तब, जब, आदम, उसकी अंजीर की पत्तियां तब तक ठीक थी जब तक वह परमेश्वर के सामने नहीं आया। परन्तु जब उसे परमेश्वर के सामने आना पड़ा, तो उसने अनुभव किया कि उसके अंजीर के पत्ते बेकार है। और अब, मित्र, आप सोच सकते हैं कि आप एक बहुत अच्छे व्यक्ति हैं, और आप हो सकते है। यह ठीक बात है। परंतु जब आप परमेश्वर के सामने आते है... यदि आपने परमेश्वर द्वारा दिया गया बलिदान अपने लिए स्वीकार नहीं किया है, तो आप नष्ट है और आप यह जान जाएंगे।

77 मैं उनके पास खड़ा हुआ, उन्हें मरते हुए देखा; देखिए डॉक्टर उनके बाहों में अल्प लगाता है, कि उन्हें शांत रखें। और उन्हें चिल्लाते हुए सुनता और करता जाता है। कहता है, "ओह, वे अपने आपे में नहीं है।"

78 मैंने कहा, "डॉक्टर कृपया इसे बाहर रखिए, एक मिनट तक के लिए।" समझे? और आप उन्हें सुन सकते हैं जब वे—वे सोचते हैं कि आप ठीक है।

79 "एक मार्ग है जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है, परंतु उसके अंत में मृत्यु है।"

80 और हर मनुष्य जो कि उत्पन्न नहीं हुआ है, परमेश्वर से उत्पन्न नहीं हुआ है, वह उस विनाश के मार्ग पर जाएगा। आप कुछ नहीं कर सकते। आपका अपना प्राण आपका मार्गदर्शन करेंगा। यदि आपने नया जन्म पाया है, तो आप ऊपर जाने के लिए बाध्य है। यदि आपने नया जन्म नहीं पाया है, तो आपको नीचे ही जाना है। बस आप—आपका अपना प्राण यह करेगा। जैसे कि एक—एक जादू की छड़ी यह आपके लिए कही द्वार खोलेगी; यदि आपके पास वो—वो छड़ी नहीं है, तो द्वार नहीं खुलेगा। और यदि आप आपने नया जन्म नहीं पाया है, तो आप केवल अपने आप ही अस्वीकार हुए है। बस यही है, अब।

81 और तब जब मैंने—मैंने उन्हें वहां देखा, तब जब वे बाहर निकल कर आए, और परमेश्वर जानता था कि वे उसके सामने खड़े नहीं हो सकेंगे।

और वह जान गया। और वे छिप रहे थे, कुछ झाड़ियों के पीछे छिप रहे थे। जबकि, ढंके हुए थे, परंतु वे जान गए कि उनकी आड़ पर्याप्त नहीं थी।

82 और प्रत्येक पुरुष या महिला जो आराधनालय जाते हैं... आज जब आराधनालयो के घण्टे बज रहे थे तो मैं सोच रहा था, घंटे बजते हुए मृत्यु की सूचना दे रहे थे और आदि–आदि; इस प्रकार से और लोग आराधनालय की ओर जा रहे थे, और तैयार हो रहे थे, और महिलाएं अपने ईस्टर के टोप खरीद रही थी, और आदि–आदि। यह क्या आया है? प्रभु! कैसे मैं नहीं समझ सकता, जबकि खरगोश को पुनुरुत्थान से कोई लेना–देना नहीं, देखिये, (नहीं, श्रीमान) क्रिसमस ट्री याने मोर पंखी के वृक्ष का मसीह के जन्म से क्या मतलब। मित्रों, यह पागन है। हम कहीं मार्ग पर से हट गए है। यह ठीक बात है। परन्तु अब एक वास्तविक नया जन्म पाया हुआ पुरुष या महिला अनुभव करता है, क्योंकि आप में जीवन है, आपको बताता है कि यह गलत है। क्या यह ठीक बात है? [सभा, "आमीन।" बोलती है—सम्पा]

83 अब ध्यान दें; आदम और हवा। ओह, प्रभु! जब मैं इस पर सोचता हूं, तो अपने जुकाम के विचार को भूल जाता हूं, कि मुझे कभी कुछ था। जब मैं पीछे के लिए सोचता हूं कि आरंभ में। ध्यान दें! आप लहू के विषय में बात करते हैं?

84 अभी अधिक समय नहीं हुआ, जब कि वे स्पष्ट कर रहे थे, मैथोडिस्ट की एक बड़ी सभा में, मैथोडिस्ट की गाने की पुस्तक से लहू वाले गाने हटा रहे थे। कहां, "यह कोई कसाई खाने का धर्म नहीं है।" कहां, "हम नहीं... हम कुछ अच्छा और आदर युक्त चाहते है।" भाई, परमेश्वर इस रीति से ग्रहण नहीं करता या। तो यह...

85 "जब मैं लहू को देखुगा, तो तुम्हें छोड़ जाऊंगा।" लहू! परमेश्वर का, केवल एक ही स्थानापन्न है, वह केवल... "जीवन लहू में होता है। इसलिए आप मांस खा सकते हैं, परंतु लहू जो है, जो कि जीवन है, उसे भूमि पर गिरा दे।" देखिए, जीवन को ना खाए।

86 देखिए कितना सुंदर है! मैं इसके लिए कैसे सोचता हूं! तब परमेश्वर ने सोचा, "आदम और हवा, अब यहां बाहर निकल कर आओ। और इसके पहले मैं तुम्हें निकालू, मैं कुछ करने जा रहा हूं।" इसलिए वह वहां पहाड़

कि ओर गया एक भेड़ ली; उसे मारा, उसकी खाल उस पर से उतारी, उसे मरने दिया।

87 क्योंकि, परमेश्वर को अपना वचन पूरा करना है, इससे कोई मतलब नहीं कि आप कितने अच्छे पुरुष, और आप कितनी अच्छी महिला है, जो कि आप है। यह, परमेश्वर, परमेश्वर को अपना वचन पूरा करना है।

88 यही कारण है, कि कुंवारी मरियम को भी पेंटीकोस्ट के दिन जाना पड़ा, और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त किया, जैसे कि उन सब बाकियो ने किया, क्योंकि वह यहां एक मरणहार के समान जन्मी थी और इसके पहले कि वह स्वर्ग को जाए उसे फिर से जन्म लेना था। आमीन।

89 अब देखिए, महिला, मैं आपको बताऊं, इसलिए क्योंकि समय बदल गया है, परमेश्वर नहीं बदला। आप किसी भी कमी के साथ आते है, तो आप नाश है। समझे? अब, मैं उसी आधार पर बोल रहा हूं जो परमेश्वर ने 1900 वर्षों पहले आज, कलवरी पर किया था, आपको दिखाने के लिए, कि इसके मूल्य को चुकाने के लिए कौन सा बलिदान करना था, यह परमेश्वर की विधि है। अब ऐसा मार्ग है जो ठीक लगता है; परंतु परमेश्वर का दिया गया मार्ग है। यदि आप सदा परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर जाएंगे, आप कभी भी गलत नहीं जाएंगे।

90 जैसे कि यदि आप इन्डियानापुलिस जाए, या पुल के पार, और आप कहते है, "अच्छा, यहां, इधर की ओर लूजविले है?" "हां।" और *इधर* से सीधा रास्ता ले; आप जल्द ही पकड़ लिए जाएंगे। यह ठीक बात है। अच्छा हो कि आप खाका ले, नक्शा, उसका अध्यन करें और देखें कि आप किस ओर जा रहे है।

91 और, तब, *यहां* परमेश्वर का नक्शा महिमा को, इसका अध्यन करें। यही है यह। चारों ओर लहू से छिडका हुआ है। आम मार्ग को खो नहीं सकते, यदि आप लहू का अनुसरण करें। आमीन! अब आप देख सकते है। समझे? लहू के साथ बने रहे और आप ठीक होंगे, क्योंकि वहां लहू वाले पद चिन्ह, मार्ग के प्रत्येक कदम पर है।

92 अब ध्यान दें, पीछे कैसे परमेश्वर ने, इसके पहले कि वह इसे कर सकता, अब वह खड़ा हो सकता है या... यहां तक की वे इसे लेने के लिए खड़े हो सकते है, वह उन्हें तब ही मार डालता। उसे मारना ही था, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ है। उसे अपने वचन को पूरा करना है। उसने कहा,

"जिस दिन तुम इसे खाओगे उस दिन मर जाओगे।" यह सदा के लिए तय हो गया।

तब मैं उसे पीछे देख सकता हूं, तब उसने इस भेड़ को मारा। आप कहते है, "भाई ब्रंहम क्या वे भेड़ थे? " मैं इसका विश्वास करता हूं। वह, वह मेम्ना था जो पृथ्वी के रचने से पहले मारा गया।

93 और वह भेड़ की खाल थी; लेकर उन्हें झाड़ियों के पीछे फेंक दिया, और उन्हें बताया, "इसमें लिपट जाओ, इसे लेने के लिए बाहर आओ।"

94 और मैं देख सकता हूं आदम और हवा इन लहू लुहान, फड़कती हुई खालो को अपने चारों ओर लपेटते है। क्या आप कल्पना कर सकते है! एक प्रिय सुंदर देहे उन दो सिद्ध मनुष्य जाति की, अब लहूलुहान भेड़ की खाल में लिपटी हुई है। मैं उन्हें वहां खड़ा हुआ देख सकता हूं।

95 परमेश्वर ने कहा, "आदम, क्योंकि तूने बजाए मेरे अपनी पत्नी की सुनी, मैंने तुझे भूमि की मिट्टी से निकाला था, और तू मिट्टी में मिल जाएगा।"

96 और, "और हवा, तूने बजाए मेरे, तूने उस—उस सर्प की सुनी, क्यों, तू जीवन लायी... संसार से जीवन लिया, तुझे संसार में जीवन लाना होगा। मैं तेरे दु:ख को बढ़ाऊगा, और तेरी लालसा तेरे पति की ओर होगी, " और आदि—आदि।

97 और तब उसने कहा, "सर्प, क्योंकि तूने यह किया है, चला गया... " वह रेगने देने वाला नहीं था। वह एक पशु था, चला गया, मैदान के सब पशुओं में धूर्त। इस अभिलेख में मेरी सह लो, यह वचन है। मनुष्य के समान चला गया, और उसने स्त्री को बहकाया। और उसने कहा, "और क्योंकि तूने यह किया है, तेरे पैर निकल जाए, और तू अपने सारे जीवन पेट के बल चलेगा। और तू मिट्टी चाटेगा।"

98 और तभी वह वहां थे; न्याय। परमेश्वर को अपना न्याय बनाए रखना था, क्योंकि उसने यह कहा था। और वह परमेश्वर था; वह इससे वापस नहीं फिर सकता था, उसे इस पर स्थिर रखना था... परमेश्वर बना रहने के लिए, परमेश्वर को अपने वचन पर स्थिर रहना था। यह ठीक बात है।

99 इसलिए वहां मैं हवा की कल्पना कर सकता हूं वह बेचारी हवा, जब उसने आदम की ओर देखा, उसके सुनहरे लंबे बाल उसकी पीठ पर लटक

रहे थे। वे बड़ी चमकदार नीली, आंखे जो आकाश सी दिखी, जिन्हें परमेश्वर ने बनाया था, आंसू बह रहे थे; वस्त्रो के लहू में मिल रहे थे, और उसके शरीर के चारों ओर फड़क रही थी, हवा। आदम ने, अपने मजबूत शरीर से, उसे पकड़ा और अपने सीने की ओर झुका लिया, और वहां आंसू मिल कर गिर रहे थे, जैसे ही, वह भेड़ की खाल पर से होते हुए बह रहे थे, लहू नीचे टपक रहा था। चारो ओर लहू ही लहू। वहां!

अब वह कहता है, "तुम्हें मेरी उपस्थिति से चले जाना होगा।"

100 और मैं आदम और हवा को देख सकता हूं, कि अपने हाथ एक दूसरे में डालें, *इस* प्रकार से बाहर जा रहे है, वे भेड़ की खाले उनके पैरों में टकरा रही है, लहू लुहान, उनके पैरों में टकरा रही है। [भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते है—सम्पा।]

101 तब मैं सारे अन्तरिक्ष को देख सकता हूं, जो परमेश्वर था। परमेश्वर के कोई दिन आरंभ नहीं होते वर्ष समाप्त नहीं होते। वह सदा से सदा है। मैं देख सकता हूं कि सारा महान अन्तरिक्ष *इस* प्रकार सिमटने लगा इस प्रकार कीप के आकार में आ गया, और यह सीधा नीचे आया, जैसे ही उसने उस जोड़े को अदन की वाटिका में से जाते देखा, लहू लुहान खाले उनके पैरों में टकसाग रही थी। वह इस पर खड़ा नहीं रह सका। और यह भीतर उतर गया, और यह इसके ठीक परमेश्वर के ह्रदय में उतर गया, अक्षर विन्यास एल–ओ–वी–ई प्रेम "परमेश्वर ने इतना प्रेम किया... " वह उन्हें जाते हुए ना देख सका।

102 उसने उन्हें पुकारकर, कहा, "मैं तुम्हारे और शैतान के वंश के मध्य में बैर उत्पन्न करुगा।" तब जब यह कलवरी पर हो गया; जब परमेश्वर स्वयं स्त्री के द्वारा नीचे आया कुवारी से जन्मा।

103 मैं वहां कैसा व्यवहार करना चाहूंगा, थोड़ा सा, अदन में। ध्यान दें जब वाटिका से अपराध के कारण बाहर निकाले गए थे। सारे आशीष हटा दी गई अपराध के कारण।

104 और आज रात्रि मैं सोचता हूं, आज कलीसिया के साथ यही मामला है। सारी आशीषे हट गई है, अपराध के कारण। आप इसी स्थान पर है।

105 अदन वाटिका में से निकाल दिए गए! अब मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, यहां आता है... जब कैन और हाबिल आदम और हवा के दो पुत्र, भेट चढ़ाने के लिए आगे आते है।

106 मैं विश्वास करता हूं कि महान सराप द्वार के पूर्व की ओर था, और वह तलवार आगे पीछे घूम रही थी, उस द्वार की जो अदन में घुसने का था रक्षा कर रही थी। ध्यान दें, आग, पवित्र आत्मा की आग द्वार की रक्षा कर रही थी।

107 और आज वही द्वार की रक्षा करती है। यदि आप पवित्र आत्मा और आग से डरते हैं, तो आप कभी अन्दर नहीं जा सकते। अग्निमय, परमेश्वर की तलवार! परमेश्वर भस्म करने वाली आग है, उस वृक्ष की रक्षा कर रही है, उस जीवन के वृक्ष की रक्षा कर रही है।

108 और अब ध्यान दें, अब यह एक सुंदर चित्र है। ओह, प्रभु! मैं आदम को देख सकता हूं या... कैन को बल्कि हाबिल को अब परिश्रम कर रहा है, या एक बलिदान तैयार कर रहा है। मैं विश्वास करता हूं कि उन्होंने अपनी वेदी द्वारा पर बनाई, सिहासन पर, जहां वे आराधना कर सके।

109 ध्यान दें, यहां कैन आता है। संभवत: है उसने पूरे वर्ष परिश्रम किया, सब कुछ किया ताकि वह सबसे बड़ा सेव पा सके, या सबसे बड़ा कहू या उसके पास जो कुछ भी था, उस द्वार पर ले कर आया। अपने लिए वहां द्वार के पास वेदी बनाई, परमेश्वर की उपस्थिति में। अपने सारे फल रखे, और बड़ी कुमुदनी, और हर चीज, और वेदी पर उन्हें सही प्रकार से रखा, और तब घुटने टेक कर और परमेश्वर को दंडवत किया।

110 अब मैं चाहता हूं कि आप... मैं आशा करता हूं कि यह अंदर चला जाएगा जैसे कि पहले कभी नहीं, जब तक आप इसे समझ ना ले, देखा। अब ध्यान दें।

111 यदि परमेश्वर आपसे केवल यह चाहता है कि आप आराधनालय जाए, तो कैन भी वैसा ही धर्मी है जैसा कि हाबिल। कैन ने प्रभु के लिए वेदी बनाई। आप कहते है, "भाई ब्रन्हम, मैं केवल इतना ही नहीं करता हूं, परंतु मैं बलिदान चढ़ाता हूं। मैं विदेश मिशन के लिए पैसे देता हूं और मैं... " वे बातें ठीक है। वह ठीक है। परन्तु परमेश्वर कुछ अधिक चाहता है

112 कैन ने यह स्वयं किया। समझे? वह एक बलिदान लाया। उसने प्रभु की आराधना की। उसने घुटने टेक कर और प्रभु को महिमा की भेट चढ़ाई और कहा, "प्रभु, मैं यहां हूं। मैं यहां हूं, और मैं तेरे लिए एक भेट लाया हूं। मैंने एक वेदी बनाई है।" आमीन।

113 बहुत से शब्दों में, "मैं आराधनालय का एक सदस्य हूं।" क्या इससे नीचे चोट लगी? देखिए। "मैं आराधनालय का एक सदस्य हूं। मैं तुझ में विश्वास करता हूं।" अब यह नीचे गहराई में चला जाएगा। इसे वास्तव में अंदर बैठ जाने दे। "मैं परमेश्वर में एक विश्वासी हूं। मैंने एक वेदी बनाई है। मैं एक बलिदान लाया। और प्रभु, मैं यहां हूं। मैं आपकी आराधना कर रहा हूं।" और परमेश्वर ने अपनी पीठ फेर ली। ठीक है।

114 "और ईस्टर की सुबह," जैसे कि इस नगर के पास्टर ने कहा, "आप जानते है कि मैं क्या करता हूं, प्रचारक ईस्टर के प्रातः? "

मैंने कहा, "क्या? "

कहा, "मैंने अपने लोगों को बताया, मैंने उन्हें 'बड़ा दिन मुबारक किया।"'

कहा, "क्यों? "

कहा, "मैं उन्हें अब अगले ईस्टर तक नहीं देखूंगा।"

115 हर कोई ईस्टर पर आता है, बस, नयी टोपी और कपड़े खरीदते है। और इसका मसीह से क्या लेना देना? ओह! और लाखों डॉलर इस वर्ष खर्च कर दिए होंगे, कल प्रोटेस्टेन्ट क्षेत्र, में कुमदनियो, बड़ी सुन्दर लिलियां हर सदस्य पास आकर और उसे वेदी पर रखेगा। परमेश्वर वेदी पर की लिली के विषय चिंता नहीं करता। वह आपको वेदी पर चाहता है। यह लिली नहीं है; यह आपका बलिदान नहीं है। आपको वेदी पर होना चाहिए। यह अंतर है। वेदी पर वह रखिये जो परमेश्वर को चाहिए, वह आप है।

116 अब मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें कैसे वह, वह वंश जो शैतान कैन में था। और ध्यान दें कि वही...

117 अब इससे आपको अच्छा अनुभव होना चाहिए, आप में से कुछ जो परदेसी और दूर के लोग है। और हमें हो सकता है कहना ही है, "अच्छा, मेरी इच्छा है कि हम *इसे* अपनी कलीसिया में कर सकेंगे और *वह*।" कि संतुष्ट हो जाए। हाल्लेलुय्या! मैं बल्कि पुराने छोटे कमरे में आराधना करूंगा कहीं पीछे गली में, और उसमें परमेश्वर हो बजाएं बड़े आराधनालय के जहां परमेश्वर ना हो। यह सही बात है। निश्चय ही। वहां वह एक निर्धन मनुष्य था। ध्यान दें। तब वह अपनी भेट लाया, कैन लाया, और उस पर रख दिया। अब, ध्यान दें, वह शैतान के वंश से आया, क्योंकि उसने परमेश्वर

से आशा की, कि वह इसे ग्रहण करे, क्योंकि यह सुन्दर फल था, कुछ जो उसने स्वयं किया।

118 और बहुत से लोग कहते है, "मैं उस विशेष भिन्न व्यवस्था से हूं। और मैं—मैं रेडक्रॉस को देता हूं, और मैं दान देता हूं। मैं आराधनालयो को दान देता हूं। भाई ब्रन्हम, उस विषय में क्या है? " यह सब ठीक है।

119 परंतु, "जब तक मनुष्य नया जन्म ना ले, वह किसी भी तरह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।" इस पर ध्यान दें।

120 वह भले कार्य अच्छे है, परंतु... यह अब भी परमेश्वर के द्वारा दिखाया गया मार्ग नहीं है। कैन अपनी विधि से आया। आज रात, बहुत से अपने ही तरीके से आ रहे है।

121 आप इस पर तर्क वितर्क भी नहीं कर सकते। क्यों, तर्क कर ही नहीं सकते... आपके तर्क वैध नहीं है। आप तर्क करने के लिए योग्यता नहीं रखते। यदि आप तर्क कर सकते होते, तो यह फिर विश्वास का नहीं होता। आपको यह विश्वास के द्वारा चढ़ाना है।

122 अब, आप चाहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आपका अर्थ यह है कि मुझे वहां जाना है और—और पवित्र आत्मा से भर जाना है और बाकियों के समान चलना है? " यदि आप उन बाकियो के साथ होने की आशा करते है, तो आप करें। बस। जी हां, श्रीमान। यही है। आप ले सकते है...

123 नामान के साथ यही बात थी। परमेश्वर ने भविष्यवक्ता को बताया, "उसे बता, 'जा कर और सात बार गोते लगा।'"

124 उसने कहा, "क्या यह पानी साफ और अच्छा नहीं? " परंतु यह वह यर्दन का पानी था; कभी–कभी बहुत खराब प्रतीत होता है।

125 परन्तु मेरी इच्छा है कि आज रात्रि यहां प्रत्येक कलवरी की ओर देखेगा, और 1900 वर्षो पहले परमेश्वर ने इसका क्या दाम चुकाया, और अपने हाथ उठा कर, कहता है, "मैं प्रभु के थोड़े से ठुकराए हुओं लोगो के साथ अपना मार्ग लुंगा"?

126 आप कहते है, "मुझे उन लोगों के साथ सम्मलित होना है वह भाई थोम, या, उनमें से कुछ जो 'पवित्र शोर मचाने वाले'? "

127 भाई, लगभग तीन बार मैंने संसार का चक्कर लगाया है और मैंने अभी तक पवित्र शोर मचाने वाला नहीं देखा। नहीं, श्रीमान। मैंने पवित्रताई देखी

है परंतु पवित्र शोर मचाने वाले नहीं। शैतान ने यह नाम कलीसिया को दिया है। परमेश्वर ने कहा, "बिना पवित्रताई के कोई मनुष्य परमेश्वर को नहीं देखेगा।" आप स्वयं को इसके अनुसार बना सकते है। यह परमेश्वर का मार्ग है।

128 आप कहते है, "लोग जो चीखते चिल्लाते और करते जाते हैं? " भाई, यही वह है। "क्यों," आप कहते है, "वे... कि—कि मुझे पागल प्रतीत होते है।"

129 यही कारण है कि आपको नया जन्म लेना है। जब आप नया जन्म लेते है, तो फिर यह "पागलपन" नहीं होगा। आप हमारे साथ होंगे। वे वैसे ही सोचेगे जैसा, आपने एक बार सोचा था। यह ठीक बात है। उन्होंने वैसा ही सोचा जैसा आपने सोचा था, जब तक वे स्वयं उसे ना पा ले। यह एक बदलाव है, एक वार्तालाप। *मत परिवर्तन* का अर्थ किसी चीज का "बदल जाना।" जब तक कि एक मनुष्य स्वयं से ना मर जाए, और कहे, "प्रभु, मैं इस विषय में कुछ नहीं जानता, बस मुझे अंदर ले ले," आमीन, तब परमेश्वर यह करेगा। समझे?

130 अब, कैन ने कहा, "मैंने यह सब कुछ रख दिया है।" परमेश्वर ने इसे अस्वीकार कर दिया। उसने सब सुंदर बनाया।

131 और हो सकता है आप सोचें, "अच्छा, मैं प्रभात की सभा में जा रहा हूं; मुझे नई टोपी लेनी है।"

132 एक बार एक लड़की मेरी सभा में गाने वाली थी। और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम... " उसकी मां कपड़े धोया करती थी, कि जीवन यापन करें। और उसे सर में लगाने का "किलिप" चाहिए था, आप समझते है।

133 यह हाथ नख प्रसाधन क्या है? या आप उस चीज को क्यों कहते हैं, जो चीज उसके बालों में है? मैं जानता हूं कि यह गलत है। मैं उस चीज का नाम नहीं सोच पा रहा हूं। मैं इसके विषय में अधिक नहीं जानता हूं। क्या? [कोई कहता है, "टोनी।" कोई कहता है, "नहीं। परमानेन्ट"—सम्पा।] इसमें परमानेन्ट, वह यही था।

134 और वह उसके बालों में होना ही चाहिये इसके पहले कि वह गायन मंडली में गाना गाये। और उसकी निर्धन बूढ़ी मां जीविका के लिए कपड़े धोती है। जब वह गई और अपना परमानेन्ट लिया, और मैंने कहा मैं उसे

नहीं गाने दुंगा, क्योंकि वह गाने के लिए उपयुक्त नहीं थी जब उसने उसके साथ। यह किया ठीक बात है!

135 प्रचार मंच को शुद्ध रखने के लिए जो भी है। परमेश्वर हमारी सहायता करें और आज संसार के साथ यही मामला है उनके। सुनिए, भाई। मैं पुराने रिवाज के सासा फरास पेड़ के अनुभव में विश्वास करता हूं, वहां पीछे झाड़ियों में, जहां आप कड़वाहट की सारी जड़ें खोद देते हैं, और उसे जमीन पर झाड़ देते हैं, यह ठीक बात है, बीज बोये।

अब, ध्यान दें, कैन, उसने सोचा, "सुंदरता।"

136 वे सोचते है, "अच्छा, हमारा आराधनालय! हम एक नया आराधनालय बनाएंगे।" यह ठीक है। हर चीज सुंदरता की है, यह ठीक है, यदि आप प्रभु यीशु का साथ लेते है। तब यदि आप उसे पहले लेंगे, तो बाकी चीजों की वह चिन्ता कर लेगा।

137 किसी ने कहा, "भाई ब्रन्हम क्या आप विश्वास करते हैं कि इस लड़की को वेदी पर आना चाहिए, ऐसी दिखाई पड़ रही है? "

138 मैंने कहा, "भाई, यह वंसत का समय है। सारे वे झाड़ियां बांज वृक्ष उनमें प्रत्येक पर पत्तियां निकल रही है, उनका अंतिम पतझड़ हो गया। परन्तु हमे जाकर पत्तियां नहीं बिननी है कि नई पत्तियां आये। केवल नए जीवन को आने दे, और पुरानी पत्तियां गिर जाएगी।" यह ठीक बात है। आमीन।

139 सुनिए। मैं यह भी कह दू। यदि पुरानी पत्ति ना गिरे तो वह यह दर्शाता है, कि नया जीवन नहीं आया है। अब मेरे पर गुस्सा ना हो। मैं यीशु के विषय में बात कर रहा हूं। ठीक है। यही है। ठीक है।

140 देखिए हमारे स्वर्गीय पिता को क्या मूल्य भरना पड़ा। देखिए अब उसने क्या किया।

141 और कैन ने आकर, और अपनी भेंट चढ़ाई। उसने आराधना की। वह आराधनालय गया। वह उतना ही अच्छा था जैसा कोई और व्यक्ति।

142 ऐसाव वैसा ही था। ऐसाव, अपने चाल चलन में, याकूब से, एक अच्छा व्यक्ति था, एक अधिक सज्जन पुरुष! उसने अपने पिता से प्रेम किया; और वह चीजें जो उसने की! परंतु परमेश्वर ने याकूब को चुना।

143 ध्यान दें अब जब हांबिल अपनी भेट चढ़ाने आया, देखिए जब हाबिल आया, तो यह बहुत ही भिन्न था। यहां हाबिल आता है। उसने कार्य नहीं

किया, उसने नगर का सबसे बड़ा आराधनालय खोजने का यत्न नहीं किया कि वहां जाए। तो उसने संबंध बनाने के लिए अच्छे लोग नहीं ढूंढे। आमीन। उसने केवल वही लिया जो उसके पास था और आ गया।

बस यही है। कि वह चरवाहा था। इसलिए उसने जाकर एक मेमना लिया और बांधा... मैं समझता हूं कि उन दिनों में उनके पास कोई रस्सी ना थी, इसलिए उसने अंगूर की बेल ली होगी और उसकी गर्दन के चारो ओर लपेटी होगी।

144 परन्तु यह किसको दर्शाता है? वे उसे कलवरी पर ले गए। वह मेमना था। कहा, "कि वह क्यों चरनी में जन्मा?" देखिए, मेमने घरों में जन्म नहीं लेते। वे भूसे खलियानो में जन्मते है। और वे... मेम्ने के समान कसाई घर ले गए। और वे उसे दूर ले गये, कलवरी पर ले गये। वह परमेश्वर का मेम्ना था, आमीन, इस सृष्टी के रचने से पहले। जब मैं इस विषय में सोचता हूं। कि हाबिल का छोटा मेम्ना आता है। यहां परमेश्वर का मेम्ना आता है।

145 जब मैं इस विषय में, सोचता हूं तो मेरा ह्रदय मुझे उलट पुलट हो जाता है। जब मैं सोचता हूं, कि मैं एक निर्धन, अयोग्य, अभक्ति, पापी, इस संसार में बिना परमेश्वर के मर रहा था, बिना आशा के! और ठीक समय पर मसीह मेरे बदले मरा, सुंदर और ठुकराया और अस्वीकार किया हुआ हो गया, ताकि मैं उसकी दृष्टि में ग्रहण किया जा सकूं। मेरे बदले में! ओह! मैं इसे सहन नहीं कर सकता। मैं कल्पना नहीं कर सकता उसने कैसे यह सब मेरे लिए किया। मैं कौन था? तब, आप कहते है, "क्या यह उसने आपके लिए किया?" हां।

146 एक दिन पवित्र आत्मा ने आकर मुझे खोजा, और कहा, "यह उसने तेरे लिए किया," और मैंने उसका विश्वास किया। मैंने विश्वास किया। जी हां, श्रीमान। मैंने उसे स्वीकार किया, और पाया कि यह ऐसा ही था। इसे कोई मतलब नहीं कि लोगों ने क्या कहा वे, "वे कट्टरपंथी थे," या वे जो भी थे; मैंने परमेश्वर पर विश्वास किया। और मैं... और उसने जो कहा वही किया।

147 मैं छोटे हाबिल को देख सकता हूं। अब ध्यान दें। ओह प्रभु! मैं देख सकता हूं कि हाबिल जाता है और एक अंगूर की बेल लाता है और जाकर एक नर मेम्ना उसकी मां का पहलौठा, इस बेल को उसके गले में बांधता

है। और उसे घसीटता हुआ ला रहा है। उसमें कोई सुंदरता नहीं, क्या है? वहां खेच कर ला रहा है। तब उसे एक बड़ी चट्टान पर ले गया, और उसे पूर्व के फाटक की ओर लिटा दिया। अब ध्यान दें।

148 सम्भवत: कैन ने पूरे वर्ष परिश्रम किया, ताकि अच्छी फसल उगाये जो वह कर सकता था, सोचा कि वह इससे परमेश्वर को प्रसन्न कर सकता है।

149 और बहुत से लोग कहते हैं, "मैं झूठ बोलना छोड़ दूंगा। मैं चोरी करना छोड़ दूंगा। मैं धूम्रपान करना छोड़ दूंगा। मैं अच्छे लोगों के साथ हो लुंगा, मैं किसी अच्छे समाज में हो लुंगा।"

150 यह, यह है! परमेश्वर आपके नए बदलाव के विषय में चिंता नहीं करता। वह चाहता है कि आपका ह्रदय मसीह की ओर फिरे, और वह आपको बनाये। ना कि आप क्या कर सकते है। हम भले कार्यों से नहीं बचे, परंतु उसके अनुग्रह से हम खरीदे गए। "कामों से नहीं की कोई मनुष्य बढ़ाई मारे।" क्योंकि हम—क्योंकि हम परमेश्वर के हैं क्योंकि... मैं क्या हूं वह नहीं, मैं क्या करता हूं वह नहीं, मैं स्वयं से। यह मसीह जो परमेश्वर में है, उसने मेरे और आपके लिए किया है।

151 ध्यान दें, सुन्दर प्रतीक, वह यहां छोटे मेम्ने को घसीटता, और खेचता हुआ लाता है। मैं कल्पना कर सकता हूं वह छोटा सा गिर रहा है, शायद नहीं जानता कि पास में क्या है उसके छोटे पैर घसीट रहे है। मसीह का सिद्ध प्रतीक क्रूस को घसीट रहा है, परमेश्वर का मेम्ना, यरूशलेम में से आ रहा है, निर्बल, गिर रहा है।

152 यहां वह छोटा सा, चिल्लाता हुआ आ रहा है। और जब वह उसे चट्टान पर ले गया, उसे चट्टान पर रख दिया और धार वाले पत्थर को लिया... मैं नहीं जानता, अनुमान है कि उन दिनों में उनके पास चाकू नहीं होंगे। इस प्रकार से लिटा दिया। उसके सिर के पीछे से लिया और *इस* प्रकार से खेचा, चाकू लिया... याने पत्थर और उसके छोटे से गले को काटना आरम्भ किया, और पत्थर उसकी गर्दन से होकर पार होने लगा। उस चट्टान पर मेम्ना मरा, लहू बह रहा है, फड़क रहा है, लहू बिखर रहा है, उसकी धमनिया कटी हुई है, चारों और लहू ही लहू। उसका सफेद ऊन लहू से लथपथ होकर लाल हो गया है। परमेश्वर ने स्वर्ग से देख कर कहा, "यही है। अब आप समझे। यही विधि है।" लहू उसकी धमनियों से तेजी से निकल कर रहा है।

153 यह क्या था? परमेश्वर के पुत्र का 1900 वर्ष पहले यही चीज इस दोपहर। वह कैद में से ले जाया गया। वह न्याय के सिहासन के सामने ले जाया गया; और वहां से, उपवास उड़ाने के स्थान में; वहां से गुलगुत्ता तक, पहाड़ पर खेच कर ले गए। शमौन, क्रेती, क्रूस उठाने में उसकी सहायता कर रहा है युगों की चट्टान पर। वह वहां पर, वहां मर गया उसका अपना ही लहू उसमें से निकला। उसकी देह नंगी की गई हालेलुय्याह! उपहास उड़ाने वाले सिपाहियों के मुंह में जो ढेर सार भरा हुआ था उसके मुंह पर थूक दिया। और उसने कहा, "यदि मेरा राज्य इस संसार का होता, तो मैं अपने पिता से कहता तो, वह मेरे पास स्वर्गदूतों की सेना भेजता, वह आकर मेरे लिए लड़ते। परंतु यह मेरा राज्य नहीं है।

154 "परन्तु तेरा राज्य आए, तेरी इच्छा पूरी हो।" और यह यहां जल्द ही होगा। "तेरा राज्य आये। तेरी इच्छा पूरी होगी।" ओह, प्रभु!

155 जब रविवार को एक बार बिली ने कहा, कि, "हर पेड़ पर स्वर्गदूत," कहा, "वह केवल अपना हाथ निकाल कर अपनी उंगली से संकेत करता, केवल आपको इतना करना है। हम प्रश्न को यहीं तय कर देगे।" ओह, क्या यह सत्य नहीं है!

156 कैफा ने देखा और कहा, "उसने दूसरों को बचाया; स्वयं को नहीं बचा सका।" यह सबसे महान प्रशंसा थी जो कभी चुकाई गई। यदि वह स्वयम को बचा लेता, तो वह औरों को नहीं बचा सकता था। इसलिए उसने अपना जीवन दिया, ताकि वह दूसरों को बचा सके। हालेलुय्याह! आमीन।

157 "हम भेड़ो के समान तित्तर बित्तर हो गए; परमेश्वर ने हमारे सारे अधर्म का बोझ उस पर लाद दिया। वह भेड़ के समान वध होने के लिए ले जाया गया; और भेड़ के समान ले जाया गया जैसे वह अपने ऊन कतरने वाले के सामने शांत रहती है, उसने अपना मुह नहीं खोला तौभी हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, हमारे अधर्म के कामों हेतु कुचला गया; हमारे ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी; और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।" आप ऐसे प्रेम को जिसका कोई मुकाबला नहीं कैसे अस्वीकार कर सकते है? उसे देखते हुए, जैसे वह ऊपर पहाड़ पर खिचड़ता हुआ जाता है; बेचारा, मामूली, निर्बल, कमजोर, देह बोझ के नीचे झुकी है!

158 मैं कवि के विषय में सोचता हूं जब उस दिन वह वहां बैठा था, उसने उसकी झलक ली, और उसने लिखा।

चट्टानों के बीच और अंधेरे आकाश के बीच,
समर्पित होते हुए मेरे बचाने वाले ने अपना सिर झुकाया
और मर गया;
खुले हुए उस फटे हुए पर्दे ने एक मार्ग को प्रगट किया
स्वर्ग के आनंद और अंतहीन दिन के लिए।

159 क्या ही बचाने वाला! ओह, प्रभु! हम कैसे कभी, मैं कैसे कभी ऐसे प्रेम को जिसका कोई मेल नहीं अस्वीकार कर सकता हूं क्योंकि वह जिसने मेरे और आपके लिए किया?

160 आज रात्रि मेरे भाई, बहन, मैं विश्वास करता हूं कि आप आएंगे। परमेश्वर, जो परमेश्वर का दिया हुआ मार्ग है। यह मार्ग आपके लिए है। केवल वही है जिसका आपसे कोई मतलब हो सकता है। वही है जिसने आपका स्थान लिया है। केवल वही एक है जो आप आज रात्रि खड़ा हुआ है एक जीवित हो उठा, बचाने वाला, पिता के दाहिने हाथ पर खड़ा है, आज रात्रि; आप देखिए कि हर पापी के लिए निवेदन और वकालत कर रहा है जो इस भवन में उसके पास आ रहा है। मैं विश्वास करता हूं कि आप आएंगे। मैं विश्वास करता हूं कि आप आयेगे मैं विश्वास करता हूं कि आप — इस ईस्टर को जाने नहीं देंगे।

161 प्रिय मित्रों, हम मार्ग के अंत में है। मैं अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करता हूं। हम मार्ग के अंत में है। प्रभु यीशु आपको आशीषित करें। होने पाए की वह आपको अपने में नई सृष्टि बनाए, आज रात्रि मेरी प्रार्थना है। वह आपका मार्ग दर्शन करें। एक बार...

162 बाईबल में बरतमयी नाम का—का एक मनुष्य था। बूढ़ा अंधा बरतमयी, जिसके पास दो छोटी–छोटी पंडुकिया थी, हमे इतिहास में बताया गया है। कि यह छोटी पंडुकिया, बाहर रख दी जाती और एक दुसरे पर कलाबाजी करती, और लोग उन्हें देखते—देखते वह अपना कटोरा पकडे... वह अपना कटोरा पकड़ता, और जब वे—वे लोग वहां से निकलते हुए, उन छोटी–छोटी पंडुकिया को देखते, जो छोटी–छोटी कलाबाजी करती, और वे उस अंधे भिखारी को सिक्का देते। वह विवाहित पुरुष था उसके पास एक छोटी लड़की थी। उसने अपने जीवन में उस लड़की को कभी नहीं देखा था। वह लगभग 12 या 14 वर्ष की थी, उस

स्थिति में कि हम अब उस जीवन में प्रवेश करने के लिए तैयार होते है। और वह बैठा हुआ था...

163 एक रात्रि, कहा जाता है कि उसकी लड़की बीमार हो गई, और वह प्रभु के पास गया। और उसने कहा, "प्रभु यदि तू मेरी इस छोटी लड़की को चंगा कर देगा, तो मैं कल अपनी यह दोनों पंडुकिया तुझे बलिदान में चढ़ा दूंगा।" इसलिए वे... प्रभु ने उस छोटी लड़की को चंगा कर दिया, और उसने दोनों पंडुकिया चढ़ा दी। कुछ समय के पश्चात, उसका...

164 और पहली चीज जो आप जानते है, उसकी प्रिय पत्नी बीमार हो गई और उसने सोचा कि वह... उन्होंने सोचा कि वह मरने जा रही थी। इसलिए वह प्रभु के पास रात्रि में गया अपने घर की दीवार को टटोलते हुए। उसने अपने घुटने खेत में टेके और कहां, "परमेश्वर, परमेश्वर, यदि तू मेरी पत्नी के जीवन को रहने दे, तो मैं अपना मेम्ना तुझे बलिदान में चढ़ा दुगा।"

165 आज आप देखते हैं अंधे मनुष्य कुत्ते के द्वारा अपना मार्गदर्शन पाते है। वे उन कुत्तों को उनकी अगुवाई के लिए प्रशिक्षित करते है। उन दिनों में वे भेड़ को लोगों की अगुवाई के लिए प्रशिक्षित करते थे और इसलिए उसके पास इधर उधर आस पास के लिए एक—एक—एक मेम्ना था।

166 और उसने कहा, "प्रभु, यदि तू मेरी पत्नी को चंगा कर दे, तो कल मैं तुझे अपना मेम्ना बलिदान में चढ़ा दूंगा।" और उसकी पत्नी चंगी हो गई।

167 और अगले दिन वह मन्दिर जा रहा था और महायाजक कैफा, जो वहां खड़ा था उसने कहा, "अंधे बरतमई, तुम कहां जा रहे हो? "

168 उसने कहा, "मैं मन्दिर को जा रहा हूं, ओह महायाजक ताकि अपना मेम्ना बलिदान करु। मैंने प्रभु से प्रतिज्ञा की थी, यदि तू मेरी पत्नी को चंगा कर देगा, तो मैं अपना मेम्ना दे दुगा।"

169 उसने कहा, "बरतमई तुम उस मेम्ने को नहीं दे सकते, क्योंकि वह मेम्ना तुम्हारी आंख है।" कहा, "मैं तुम्हें कुछ पैसे दूंगा और तुम मंदिर में बेचने वालों से एक मेम्ना खरीद लो।"

170 परंतु बरतमई ने कहा, "ओह महायाजक, मैंने परमेश्वर से मेम्ने के लिए नहीं कहा; परंतु इस मेम्ने के लिए कहा है।" ओह, प्रभु!

171 मुझे आश्चर्य है यदि आपने ऐसी प्रतिज्ञा की है। यदि आप आज रात्रि उस सर्वोच्च मेम्ने को देखते है, सोचिए, "प्रभु, यदि आप मुझे चंगा कर दे, मैं आपसे प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं आपकी सेवा करूंगा; मैं सब वह करुगा जो मैं कर सकता हूं। यदि आप मेरे बालक को जीवित रखे... " या, जब आप खड़े होते हैं और आपकी मां कब्र में जा रही है, या–या आपके पिता या आपका कोई प्रिय, "ओह परमेश्वर, मैं उनसे मिलूंगा, मैं उन से फिर मिलूंगा!" मुझे आश्चर्य है यदि वास्तव में आपका यह अर्थ है। मुझे आश्चर्य है यदि यह ईस्टर जो आ रहा है और बिना आपकी प्रतिज्ञा पूरी करे जा रहा है जो आपने प्रतिज्ञा की है।

172 उसने जाकर अपना मेम्ना चढ़ाया। वापस आया कोई उसकी अगुवाई कर रहा है।

173 इसलिए उसने तब, कहा जब वह वापस आया और कहा, "बरतमई, तुम नहीं कर सकते।" वह याजक जो उसके मेम्ने को लेने गया, उसने कहा, "तुम इसे नहीं ले सकते। तुम इस मेम्ने को बलिदान नहीं कर सकते।" कहां कि, "अंधे बरतमई तुम जानते हो यह मेम्ना तुम्हारी आंखे है? "

174 उसने कहा, "हां, मैं जानता हूं। परंतु मैंने परमेश्वर से प्रतिज्ञा की है और परमेश्वर अंधे बरतमई के लिए मेम्ना देगा आंखें।"

175 इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ एक दिन वह ठंड में ठिठर रहा था; उन्होंने एक शोर सुना। परमेश्वर ने अंधे बरतमई के लिए एक मेम्ना दे दिया आंखे। वह सड़क पर आया। उसने कहा, "यह शोर क्या है? " अक्सर वह जहां होता था वहा शोर होता था। कहा, "यह शोर कैसा है? "

उसने कहा, "एक, यीशु नासरी, निकल रहा है।"

176 उसने अपना लंबादा फेंक दिया नहीं देखा वह कि कहां गया; तब उसने चिंता नहीं कि, परमेश्वर ने एक मेम्ना दिया वह सीधा मेम्ने के समीप पहुंचा। उसने कहा, "ओह यीशु, तू दाऊद का पुत्र मुझ पर दया कर! दया कर!"

177 धनी लोग जो वहां आसपास खड़े थे कि भविष्यवक्ता के समीप आए, राजा के; उसने कहा, "ओह, शांत रह, वह तेरी नहीं सुन सकता।"

वह और जोर से चिल्लाया।

178 उन में से कुछ लोगों ने कहा, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए। उन दिनों जैसी अब कोई बात नहीं है।"

179 वह जोर से चिल्लाया, "हे दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कर! मुझ पर दया कर।" परमेश्वर द्वारा दिए गया मेम्ने।

180 वही मेम्ना जो अंधे बरतमई के लिए दिया गया उसकी आंखों के लिए, वही उसने आपके लिए भी दिया है; जब वह वहां गुलगुता पहाड़ पर चढ़ा, और स्वयं को बलिदान किया घायल और चोटो के साथ।

181 मित्र, सुनिए, स्मरण रखे, हाबिल अपने रेवड़ में गया और मेम्ना लिया और उसे बलिदान के स्थान पर चढ़ाया। और... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... अच्छा हो कि इसे समझे। हाबिल उसी चट्टान पर मरा जिस पर उसका मेम्ना मरा।

182 क्या आज रात्रि आप स्वयं से मरना चाहते है? क्या आप अपने विचारों से मरना चाहते हैं? केवल स्वयं को अपने उस मेम्ने के साथ उस चट्टान पर डाल दें, और मर जाए, कहे, "ओह परमेश्वर, दया कर।" जब मैं घमंडी पुरुष और महिलाओं के लिए सोचता हूं, युवा पुरुष और महिलाये जो इन बातों पर अपना जीवन देंगे! और बूढ़ा पुरुष भी अपने पेशे के लिए सोचता है, और अपने सम्मान के लिए और अपने पड़ोस के लिए या कुछ इसी प्रकार से!

183 तो फिर, आज रात्रि सामने कलवरी पर क्यों नहीं आ जाते? हालेलुय्याह! अपने जीवन को काट दो, और सामने उसके साथ क्रूस पर मर जाओ अपने हाथों को युगों की चट्टान पर डाल दो। मेरी दरार, मुझे उसमें छिप जाने दो जब पास में, "पुरानी पानी हिलकोरे मोरे वह चढ़े। जब तूफान ऊंचा चढ़ा हुआ हो, मुझे छिपा ले, ओह, मेरे बचाने वाले मुझे छुपा ले। संसार जो चाहे वो करें। धर्मज्ञानी जो चाहे वे करें; मुझे उनका धर्मज्ञान नहीं चाहिए। मैं केवल यीशु मसीह को अपने ह्रदय में चाहता हूं। मुझे अपने मेम्ने के साथ मर जाने दो।"

184 ओह, मैं जानता हूं कि यह उस रात्रि कितना कठिन है जब मैं भीतर जाता हूं छोटा बुढा काला मिशनरी वहां है, और सारे श्वेत लोग वहां आस पास खड़े हैं कहा कि, "वह उन कालो के साथ जाता है।" यह कठिन था। मैं अपने केन्टकी के सारे घमण्ड के साथ वहां गया, इस प्रकार से, परन्तु परमेश्वर ने कहा, "यदि तुम यह चाहते हो, तो सीधे वहां चले जाओ।" और मैं सीधा वहां गया और वेदी पर घुटने टेक दिए, और मैं वहां तब तक

रहा जब तक की मेम्ना... मैं अपने पुराने अपनेपन से, बिल ब्रन्हम से बीस वर्ष पहले मर गया। हालेलुय्याह!

185 "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ गया। तौभी मैं जीवित हूं; मैं नहीं, परंतु मसीह मुझ में जीवित है।" किसी दिन उस महिमामय पुनुरुत्थान में, जब वह आता है हो सकता है मेरी देह नीचे चिकनी मिट्टी में हो। परंतु जब यह करता है, आप देखेंगे कि घास हट गयी, और मैं उसकी महान महिमामय समानता में आ गया, आस पास और बहुत सारे, हालेलुय्याह, क्योंकि मैं उसको उसकी पुनुरुत्थान की सामर्थ में जानता हूं।

186 मैं विश्वास करता हूं कि आप में से प्रत्येक जो, आज रात्रि करता है, सामने गुलगुता पर चलता हुआ आता है, आज रात्रि। हम एक छोटी सी यात्रा करें।

187 जबकी, आप हमें स्वर देते हैं, बहन यदि आप, *मेरे परमेश्वर के पास,* तेरे पास। जबकि हम...

188 आप कहते है, "यह अन्तेष्टी है।" हां भाई, यदि अन्तेष्टी का कोई समय है जिसकी हमें आवश्यकता है, तो वह अब है, जब मनुष्य अपने आप में और घमंड से मर जाता है।

189 अब हम शांति से अपने सिरों को झुकाये, जबकि वह स्वर दे रही है, यदि यह ठीक है।

190 ओह परमेश्वर, ओह, जब मैं सोचता हूं, वहां क्या हुआ! ओह! यह सोचकर मेरी हड्डियां कापने लगती है! मेम्ने को देखते हुए जब मैं यह सोचता हूं, जब वे उसे घायल कर चुके, जी हां, और उसके सिर पर काटो का ताज रखा और उसे नीचे की ओर दबाया। सिपाहियों ने उसके मुंह पर थूका और कहा, "तू राजा अब इस विषय में कुछ कर।"

191 वह भविष्यवक्ताओ का भविष्यवक्ता था। उन्होंने उसके मुह पर कपड़ा लपेटा, और उसके सिर पर सरकंडा मारा, कहा, "अब भविष्यवाणी कर, बता कि किसने तुझे मारा।"

192 परंतु भविष्यवक्ता ने कहा, "उसने अपना मुंह नहीं खोला।" वह यह बता चुका।

193 उसने हाथ पीछे की ओर बांध दिए। बड़े कोड़े के साथ खड़े होकर, उस पर कोड़े मारे, जब तक की उसकी पीठ पर से पसलियां ना दिखने लगी;

उसकी एक तरफ से लहू बह रहा था, और जमीन पर गिर रहा था। अब मैं उसे चलते हुए सुनता हूं; उसकी चप्पलों में से लहू के कचरने की आवाज मैं सुनता हूं। वह इमेनुएल था। वह परमेश्वर था, परमेरश्वर का लहू।

194 मैं देखता हूं कि उसे लेकर उसकी पीठ पर क्रूस लादा; वह पुरानी उबड़ खाबड़ कठोर क्रूस। और वह जाता है, उस घायल पीठ पर रखे हुए, उस मार्ग से वह गया। शोरगुल वाली भीड़ उसका उपहास, और उस हंस रही थी, "यह भविष्यवक्ता जा रहा है। यह वह महान यीशु जाता है। यह वह महान दिव्य चंगाकर्ता जाता है।"

परंतु वह मेरा प्रभु है! ओह परमेश्वर, मैं... मुझे उसके साथ चढ़ने दो।

195 वह उस पहाड़ पर जाता है। मैं उस आधे कपड़े पहने युवतियों को देखता हूं, आसपास घूमते हुए, उपहास उड़ा रही है। उनके लड़के मित्र एक दूसरे के गले में हाथ डाले है, जैसे–जैसे वे ऊपर पहाड़ पर जाते है भाई वार्ड, यह अब तक कुछ अधिक नहीं बदला।

196 मैं देखता हूं कि कलीसिया के बड़े–बड़े सदस्य, कह रहे है, "देखो, यह वह व्यक्ति है जो कलीसिया को तोड़ने जा रहा था; हमारे पास्टर के विरोध में प्रचार किया। अब उसे देखो!" परन्तु भविष्यवक्ता ने कहा इसे ऐसा ही होना है। वह परमेश्वर का मेम्ना है।

197 मैं देखता हूं जैसे ही वह अपना सिर घुमाता है, थूक उसकी दाढ़ी पर से नीचे बह रहा है। उसकी आंखें स्वर्ग की ओर उठती है; कराहता है, और थोड़ा आगे बढ़ता है।

198 प्रभु, विश्वास से, अब मैं उसके साथ चलना चाहता हूं। मैं उसकी पीठ पर हाथ रखना चाहता हूं, कहता हूं, "प्रभु, मैं यहां खड़ा होऊंगा। मुझे बता कि क्या करूं, मैं यह करूंगा, मैं कैसे तेरी सराहना करूं, प्रभु!"

199 सामने पहाड़ पर जब उन्होंने उसे नीचे लिटा दिया, उसके बहुमूल्य हाथों को पीछे खीचा। वे हाथ जिन्होंने बुखार को रोका; वे हाथ जिन्होंने कहा... उस बेचारी विधवा के लड़के से, जब उसने उसकी अर्थी छूआ या बक्से को वह उसमें रखा हुआ था; वह जीवित हो गया।

200 वह जिसने दोरकस को जीवित किया। वह जिसने यईर की पुत्री को जीवित किया। वह जिसने कहा, "लाजर, बाहर आ।" उन होठो से अब लहू बह रहा है, फटे हुए, चिल्ला रहे है।

201 जैसे ही वे बड़ी क्रूर कीले उसके हाथों और पैरों में गई! "उन्होंने मेरे हाथों और पैरों को छेदा," इसके घटित होने के 700 वर्ष पहले भविष्यवक्ता ने कहा। यह क्या था? यह हाबिल का मेम्ना था। उन्होंने उसे भूमि पर गिराया, और मांस फट गया। उसकी निर्बल देह कांप गयी।

कहां, "मैं प्यासा हूं।" उन्होंने उसे सिरका दिया।

202 उन्होंने उसे गाली दी और उपहास उड़ाया और उपहास उड़ाया, कहा, "तू अचरज के कार्य करने वाले, अब इसमें कुछ कर।"

203 परन्तु तब ही आकाश काला पड़ने लगा, बिजली चमकने लगी। परमेश्वर अपने मुख को छिपा रहा था; वह और अधिक नहीं खड़ा हो सकता था। ओह परमेश्वर, पाप कितना निर्दयी है! कितना क्रूर, कितना क्रूर जिसने उस मूल्यवान से यह करवाया। यहां तक की उसने ऐसा मूल्य चुकाया, कि परमेश्वर ने स्वयं अपना मुख छिपा लिया। स्वर्ग दूतो ने अपने मुख ढांक लिए और घूम कर उसके साथ रोने लगे। चांद और सितारे आगे ना बढ़ सके। वे अधिक चमक ना सके। वही परमेश्वर जिसने उन्हें सिर्जा, क्रूस पर मर रहा था। और उसने अपना सिर झुकाया।

204 इसके पहले उसने यह किया उसने नीचे देखा कि लोग उसके कपड़ों के लिए दांव लगा रहे है, जो भविष्यवक्ता ने कहा पूरा हो गया। कहा, "पिता इन्हें क्षमा कर, ये नहीं जानते कि वे क्या कर रहे है।" सब कुछ प्रेम में, आदम का मेम्ना, परमेश्वर का दिया हुआ मेम्ना, भूमि की उत्पत्ति से पहले घात किया गया। वहां वह, मित्र रहित, स्वयं परमेश्वर का त्यागा हुआ मरा। परमेश्वर और तब उसका अपना पिता, उसे छोड़ गया; लहू बह रहा है।

205 तब भी, हम हंसते हुए, उल्लास के साथ घूमते हैं कि जैसे कुछ नहीं हुआ।

206 ओह परमेश्वर, यह वह लहू था! जब वहां चिकित्सालय में डॉक्टर ने कहा "यह मर रहा है," यह वह लहू या जिसने मुझे चंगा किया। यहां एक पुराना पापी लड़का भागता फिरता था, यह वह लहू था जिसने मेरे पापो को क्षमा कर दिया। यह वह लहू था जिसने... मुझे भ्रष्ट जगहो से निकाला जहां मैं जी रहा था, और मुझे ठीक करके और मुझे अपना पुत्र बना लिया। ओह, "और मरते हुए मेमने, तेरा बहुमूल्य लहू!" प्रभु, मुझे क्रूस के पास रख।

207 यह मेरा दर्शन है। यहीं सामने प्रेम है, परमेश्वर का महान हृदय नीचे उतर आया। और वे सब जो उसके पास आगे है स्वीकार नहीं किए जाएंगे। वे सब अनंत जीवन पायेगे। "वह जो मेरे पास आता है, मैं उसे कभी ना निकालूंगा।"

208 परमेश्वर, होने पाए प्रत्येक जो आज रात्रि घर जाता है, इस पर विचार करें "क्या ही बलिदान है! छुडौती का क्या दाम चुकाया गया? परमेश्वर ने क्या भुगतान किया?" हमें कुछ नहीं चुकाना पड़ा। परमेश्वर ने पुत्र का भुगतान किया। परमेश्वर ने महान भुगतान चुकाया। मसीह का जीवन भुगतान में दे दिया गया। वह शारोन का गुलाब था; परन्तु गुलाब में से सुगन्ध निकालने के लिए, आपको उसे कुचलना होगा। उसका सुंदर जीवन कुचला गया और साढे तैतीस वर्षीय एक नवयुवक, जिसमें हम हो सकते है।

209 मेरे परमेश्वर, तेरे, और समीप! मेरे समीप रह, प्रभु, मेरे समीप। और जीवन के समाप्त होने पर जब मैं अपने मार्ग के अंत में पहुंचू, प्रभु; होने पाए वह, जो वहां मरा तब मेरे पास आए। यहां पर प्रत्येक ऐसा ही हो।

210 प्रभु कल, या परसों, एक महिला जो इस कलीसिया में बैठती थी उसे गाड़ा, उपदेश सुनती थी। अब उसके विषय में आप सब कुछ जानते है। यदि वह आ चुकी तो वह बच गई। यदि वह नहीं, तो वह नाश है।

211 ओह परमेश्वर, अनुग्रह करें। होने पाए प्रत्येक पुरुष और महिला जैसे कि ये आज रात इस भवन को छोड़कर अपने–अपने घरों को जाते है; गंभीरता से सोचते हुए जाए, "मेरे हाथों में कुछ नहीं; केवल आपकी क्रूस।" और होने पाए कि प्रत्येक उस क्रूस पर मर जाए।

212 प्रभु, जबकी मैं आज रात्रि इस सीमेट के बने इस छोटे प्रचार मंच पर हूं, मैं आपके लिए अपने जीवन को पवित्र करता हूं। जो भी आपने मेरे लिए किया मैं धन्यवाद करता हूं। और स्वयं को फिर से पवित्र करता हूं, आपके क्रूस की इस समृति रात्रि में आपके लिए। प्रभु, मुझे ले। मुझे क्षमा करें, मेरी सारी गलतियां और परेशानियां। मुझे मजबूत और सामर्थी बना प्रभु, परमेश्वर के आत्मा में, ताकि मैं आपके लिए प्राणों को जीत सकूं।

213 और इस भक्त मंडली को आशीषित करें क्योंकि हम उसके नाम में मांगते हैं, हर पापी को क्षमा करे, पिछड़े हुओं को फिर से ले ले।

214 जबकी हम अपने सिरो को झुकाये हुए हैं और प्रत्येक पापी पुरुष और महिला जो यहां पर है। छोटे लड़के और लड़कियां आप सब, पीछे आप जो

युवा है, आपसे कठोरता से बोला उस रात्रि। मुझे यह करना अच्छा नहीं लगता, परमेश्वर आपके ह्रदयो को आशीषित करें। आप सोच सकते हैं कि भाई ब्रन्हम कठोर थे, परंतु मैं—मैं आपसे प्रेम करता हूं। जहां से आपने आरंभ किया है मैंने तय कर दिया है, मैं जानता हूं कि यह क्या है; इसी कारण से मैंने कहा कि, देखिए यदि आप हमारे प्रभु से प्रेम नहीं करते है। मेरे लिए प्रार्थना करें, प्रार्थना करें यह मेरे लिए पवित्रताई का समय होगा। आप में से कुछ मताए, पिता, बूढ़े लोग इस समय को पवित्रताई के लिए, इसी समय, क्या आप? अपने ह्रदय में स्वीकार करे। उस पर अपने पूरे प्राण से विश्वास करे।

215 अब हमारे सिर झुके हुए है, क्या कोई चाहेगा कि उसे प्रार्थना में स्मरण किया जाये? यदि आप चाहते हैं तो हाथ उठाये कहे, "भाई ब्रन्हम, मुझे स्मरण रखें। मैं परमेश्वर के समीप आना चाहता हूं।" ठीक है, दर्जनों हाथ है।

216 पिता, इन सब को स्मरण रखें। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे प्रदान करेंगे; इनके पास शांति होगी। जबकी आंसू हमारे गालों पर से नीचे लुढ़क रहे है और यहां मेरे साथ प्रचार मंच पर टपक रहे है। उनमें से कुछ रुमालो के साथ। उनमें से कुछ बड़े, गठे हुए दिखने वाले, यहां जो कठोर मनुष्य यहां मेरे सामने बैठे हैं, आंसू उनके चेहरों पर से बह रहे हैं झुर्रीदार गालों पर से। प्रभु, हमें स्वीकार करें। इस दिव्य उपस्थिति में हम में से प्रत्येक को क्षमा करें। प्रिय परमेश्वर, आज रात्रि, प्रभु हमें क्षमा करें, युवा और बूढ़े। होने पाए कि हम उस दिन बचे हुए हो और तेरे राज्य में ले लिए जाएं, क्योंकि हम यह उसके नाम में मांगते है। आमीन।

217 अब शांति से अपने पैरों पर खड़े हो सकते है। अब केवल अपने सिरों को झुका कर रखें। आहिस्ते–आहिस्ते:

परमेश्वर, तेरे और समीप, तेरे पास, तेरे समीप;
यदपि यह क्रूस ही है जिसने मुझे–मुझे जिलाया;
अब भी मेरे सारे गीत होंगे...

218 [भाई ब्रन्हम लोगों के लिए धीरे आवाज में प्रार्थना करते है।—सम्पा] ... ? ... "परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? " प्रभु, आकर इन ह्रदयो को आशीषित कर। [भाई ब्रन्हम लोगों के साथ धीमे स्वर में प्रार्थना कर रहे है।]... ? ...

219 क्या आप आदर भाव से बिना किसी से कुछ भी बोले, अब बिना एक शब्द कहे, इस भवन को शांति के साथ छोड़ दे, और अपने घरों को चले जाए। केवल घूम कर और अपने घरो को चले जाए। बिना कोई शब्द बोले, घूम कर और बाहर चले जाए। परमेश्वर आपके साथ हो।

220 [भाई ब्रन्हम शांत हो जाते हैं जैसे ही सभा के लोग भवन को शांति से छोड़ने लगती है, और प्यानो बजाने वाली बहन बजाती है *मेरे और समीप परमेश्वर, तेरे पास*—सम्पा।]... ? ...

221 "हम सब भेड़ो की नाई तितरबितर हो गए थे; और प्रभु ने हमारे सारे अधर्म को उस पर लाद दिया। परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे ही अधर्म के कारण कुचला गया; हमारी शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी।"... ? ... "तौभी हमने उसे परमेश्वर का मारा कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा... ? ... "

222 [भाई ब्रन्हम धीरे लोगों के लिए निरंतर प्रार्थना करते रहते है, जबकी आर्गन बजाने वाला और प्यानो वादक बना रहा है, *क्रूस के पास तेरे पास*—सम्पा।]... ? ...

पाप की क्रूरता, और उसके दंड का मूल्य कि हमारे जीवन पाप से मुक्त हो HIN53-0403

(The Cruelty Of Sin, And The Penalty That It Cost To Rid Sin From Our Lives)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में गुड फ्राइडे की शाम, 3 अप्रैल, 1953 को, ब्रंहम टेबरनेकल जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org